दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 286

ग्वालियर, मंगलवार 05 जुलाई 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

पीएम मोदी बोले- आजादी का संग्राम भारत के कण-कण के त्याग और बलिदान का है इतिहास

अमरावती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के महान सपूत स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू की 125वीं जयंती समारोह में उसके शौर्य का स्मरण करते हुए नमन किया। इस मौके पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी भी मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज एक और देश आजादी के 75 वर्ष का अमृत महोत्सव मना रहा है, तो साथ ही अल्लूरी सीताराम राजू जी की 125वीं जयंती के अवसर भी है। उन्होंने कहा कि संयोग से इसी समय देश की आजादी के लिए हुए रम्पा क्रांति के 100 साल भी पूरे हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं आंध्र की इस धरती की महान आदिवासी परंपरा को, इस परंपरा से जन्में सभी महान क्रांतिकारियों और बलिदानियों को भी आदरपूर्वक नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि अल्लूरी सीताराम राजू गारू की 125वीं जन्मजयंती और रम्पा क्रांति की 100वीं वर्षगांठ को पूरे वर्ष सेलिब्रेट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंडरंगी में उनके जन्मस्थान का जीर्णोद्धार, चिंतापल्ली थाने का जीर्णोद्धार, मोगल्लू में अल्लूरी ध्यान मंदिर का निर्माण, ये कार्य हमारी अमृत भावना के प्रतीक हैं। इसी

बीच प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आजादी का संग्राम केवल कुछ वर्षों का, कुछ इलाकों का, या कुछ लोगों का इतिहास नहीं है। उन्होंने कहा कि ये इतिहास, भारत के कोने-कोने और कण-कण के त्याग, तप और बलिदानों का इतिहास है। उन्होंने कहा कि हमारे स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास हमारी विविधता की शक्ति का, हमारी सांस्कृतिक शक्ति का, एक राष्ट्र के रूप में हमारी एकजुटता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अल्लूरी सीताराम राजू गारू भारत की सांस्कृतिक और आदिवासी पहचान, भारत के शौर्य, आदर्शों और मूल्यों के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि सीताराम राजू गारू के जन्म से लेकर उनके बलिदान तक, उनकी जीवन यात्रा हम सभी के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपना जीवन आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए, उनके सुख-दुःख के लिए और देश की आज़ादी के लिए अर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के आध्यात्म ने सीताराम राजू गारू को करुणा और सत्य का बौद्ध दिया। आदिवासी समाज के लिए समभाव और सम्भाव दिया, त्याग और साहस दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में देश की आजादी के लिए युवाओं ने आगे आकर नेतृत्व किया था। आज नए भारत के सपनें को पूरा करने के लिए आज के युवाओं को आगे आने का ये सबसे उत्तम अवसर है।

लालू यादव पटना के अस्पताल में भर्ती, कंधे में फ्रैक्चर के बाद बिगड़ गई थी उनकी तबीयत

पटना। आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के गिर जाने के कारण उन्हें कंधे में फ्रैक्चर हो गया। इसके बाद उनकी तबीयत खराब होने के कारण उन्हें पटना के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है

जहां वे अपना उपचार करवा रहे हैं। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री यादव शनिवार की रात अपने घर में गिर गए थे। एमआरआई और अन्य जांच में लालू यादव के कंधे में माइनर फ्रैक्चर की पुष्टि हुई थी। कंधे में माइनर फ्रैक्चर और कमर में चोट के बाद लालू यादव की तबीयत अचानक बिगड़ गई। तबीयत बिगड़ने पर लालू यादव को उपचार के लिए पटना के ही एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका उपचार चल रहा है। जानकारी के मुताबिक लालू यादव की तबीयत बिगड़ने पर पटना के पारस अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। पटना के पारस अस्पताल में चिकित्सक बिहार की मुख्य विपक्षी पार्टी आरजेडी के अध्यक्ष लालू यादव का उपचार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि लालू यादव की तबीयत अब पहले से बेहतर है।

अपने प्रपोगेंडा के लिए करती है आपराधिक तत्वों को सहारा देती है भाजपा : महबूबा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर बरसीं और कहा कि भाजपा आपराधिक तत्वों को सहारा देती है और

फिर अपने प्रपोगेंडा के लिए उनका इस्तेमाल करती है। दरअसल, उदयपुर में दर्जी कन्हैयालाल की हत्या के आरोपी से जुड़े सवालों पर महबूबा मुफ्ती ने प्रतिक्रिया देते हुए हमला बोला। एक बातचीत में पीडीपी प्रमुख ने कहा कि आजकल पुलवामा हमले पर सवाल उठते हैं। जिसमें देवेंद्र सिंह अभी बाहर है, उसको छोड़ दिया है। वो हमला कैसे हुआ? उसका फायदा किसने उठाया, भाजपा ने। कहीं न कहीं भाजपा आपराधिक तत्वों को सहारा देती है, उनको अपने फायदे के लिए, प्रपोगेंडा के लिए इस्तेमाल करती है। इससे पहले महबूबा मुफ्ती ने ट्वीट भाजपा पर निशाना साधा था। उन्होंने ट्वीट में लिखा था कि पहले उदयपुर में कन्हैयालाल का कातिल और अब राजौरी में पकड़ा गया लश्कर-ए-तैयबा का एक आतंकवादी, दोनों के भाजपा से सक्रिय संबंध हैं। सत्तारूढ़ दल आपराधिक तत्वों का इस्तेमाल कर रही है।

हिमाचल- कुल्लू में बस खाई में गिरी, कई बच्चों समेत 16 लोगों की मौत

राष्ट्रपति, पीएम और सीएम ने जताया शोक, बचाव और राहत कार्य जारी

प्रधानमंत्री मोदी ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख अनुग्रह राशि का किया ऐलान

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे में बस के खाई में गिरने से 16 यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई है। जिसमें बच्चे भी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, कुल्लू की सैंज घाटी में सुबह तकरीबन 8 बजे सड़क दुर्घटना हुई। इस बस में 45 लोग सवार थे। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। इस हादसे को लेकर मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने दुख जताया। उन्होंने ट्वीट में लिखा कि कुल्लू की सैंज घाटी में एक निजी बस के हादसे का दुखद समाचार मिला। पूरा प्रशासन मौके पर है, घायलों को अस्पताल ले जाया जा रहा है। ईश्वर इस घटना में दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोकग्रस्त परिवारजनों को संबल प्रदान करें। ईश्वर से कामना करता हूं कम से कम लोग हताहत हुए हों।

इस हादसे पर कुल्लू डीसी आशुतोष गर्ग का बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने राहत एवं बचाव कार्य की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश

के कुल्लू जिले के नियोली-शानशेर मार्ग पर सैंज घाटी के जांगला इलाके में एक निजी बस के चट्टान से गिरने से 10 लोगों की मौत हुई। घायलों को स्थानीय अस्पतालों में ले जाया जा रहा है, कुल्लू की टीमें मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि स्कूल बस कुल्लू से सैंज जा रही थी। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। रेस्क्यू अभियान जारी है। घटना सुबह करीब 8 बजे हुई। माना जा रहा है कि स्कूल के बच्चे भी बस में थे। आशुतोष गर्ग ने जब बयान दिया था, उस वक्त तक मरने वाली की संख्या 10 थी, हालांकि अब तक 16 व्यक्तियों की मौत हुई है और संख्या में इजाफा भी हो सकता है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। दुर्घटना को लेकर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को कहा कि वह हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में हुए बस हादसे में विद्यार्थियों समेत कई लोगों की मौत होने की सूचना से व्यथित हैं। कोविंद ने शोकसंतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए ट्वीट किया, 'हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में हुए बस हादसे में विद्यार्थियों समेत कई लोगों की मौत का दुःखद समाचार सुनकर व्यथित हूं। इस दुर्घटना में अपने बच्चों एवं प्रियजन को खोने वाले शोक-संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहन शोक-संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर शोक जताते हुए जान गंवाने वालों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राहत कोश की ओर से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि को मंजूरी दी है। जबकि हर घायल को 50,000 रुपये की मदद दी जाएगी। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में हुआ बस हादसा दिल दहला देने वाला है। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मुझे उम्मीद है कि जो घायल हुए हैं वे जल्द स्वस्थ हो जाएंगे। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी बस दुर्घटना पर दुख जताते हुए कहा कि कुल्लू के सैंज में भीषण बस हादसा की सूचना से मन बहुत व्यथित है। जिला प्रशासन राहत व बचाव कार्यों में पूरी तत्परता से काम कर रहा है। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मेरी पूरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं।

राजौरी में आतंकवादियों के ठिकाने से छह 'स्टिकी' बम समेत हथियारों का जखीरा जप्त

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में चल रही श्री अमरनाथ यात्रा को प्रभावित करने के लिए सक्रिय आतंकियों की एक बड़ी कोशिश को पुलिस ने विफल कर दिया है। राजौरी जिले में आतंकवादियों के एक ठिकाने से चिपकने वाले (स्टिकी) छह बमों समेत हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद हुआ है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रियासी जिले के एक दुरस्थ गांव में लोगों ने लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर तालिब हुसैन शाह और उसके साथी फैसल अहमद डार को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। जिसके बाद शाह ने इस ठिकाने के बारे में जानकारी दी। एक खबर के मुताबिक एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शाह ने पूछताछ के दौरान राजौरी के द्राज गांव में आतंकवादियों का ठिकाना होने के बारे में जानकारी दी। जिसके बाद छापा मारा गया और ठिकाने का भंडाफोड़ किया

गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकी ठिकाने से चिपकने वाले छह बम, एक पिस्तौल, पिस्तौल की तीन मैगजीन, पिस्तौल के कारतूस, एक अंडर बैरेल ग्रेनेड लॉन्चर (यूबीजीएल), तीन यूबीजीएल ग्रेनेड, एके असॉल्ट राइफल के 75 कारतूस और एंटीना के साथ एक आईईडी रिमोट बरामद हुआ। गौरतलब है कि कुछ स्थानीय लोगों ने शाह और उसके कश्मीरी साथी डार को चतुराई से हथियारविहीन कर दिया था, जिसके बाद दोनों को तुकसन ढोक में गिरफ्तार किया गया। उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने ग्रामीणों के साहस की प्रशंसा की और उनके लिए नकद इनाम की घोषणा की थी।

देश भर में हो रही झमाझम बारिश, मानसून ने किया प्रवेश, कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। थोड़े इंतजार के बाद ही सही, लेकिन देशभर में मानसून की अच्छी एंट्री हो गई है। कई राज्यों में एक साथ झमाझम बारिश हो रही है। भारी बारिश की चेतावनी के कारण कई जिले अलर्ट मोड पर है।गुजरात के कुछ हिस्सों में भारी बारिश जारी है। असम में भी बाढ़ की वजह से अब तक 22 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। दिल्ली, यूपी, बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्यप्रदेश में अभी रुक-रुककर बारिश हो रही है। बिहार में बारिश के बाद कई नदियां उफान पर हैं। यहां 100 से ज्यादा गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। हजारों लोग पलायन को मजबूर हैं। यूपी की बात करें तो यहां लगातार बारिश का दौर जारी रहेगा। कभी धूप निकलेगी तो कभी बारिश होगी। 6 जुलाई तक भारी बारिश दर्ज की जा सकती है।स्काईमेट वेदर के मुताबिक आज गुजरात, उड़ीसा और झारखंड के कुछ हिस्सों, सिक्किम और गंगीय पश्चिम बंगाल में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है 7 पूर्वोत्तर भारत, उत्तराखंड के कुछ हिस्सों, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, लक्षद्वीप और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक दो स्थानों पर भारी बारिश संभव है।

उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा दिल्ली और जम्मू कश्मीर में छिटपुट बारिश और गरज के साथ बौछरें पड़ सकती हैं। सोमवार को भी छाए रहेंगे बादल। हल्की बरसात होने की संभावना। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान रह सकता क्रमशः 36 और 27 डिग्री सेल्सियस। मौसम विभाग का पूर्वानुमान, नौ जुलाई तक ही दिल्ली में बरसात का दौर जारी रहेगा। इस दौरान अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान भी क्रमशः 35-36 और 26-27 से ऊपर जाने के आसार नहीं है।उत्तर प्रदेश की बात करें तो राजधानी लखनऊ में न्यूनतम तापमान 27 डिग्री और अधिकतम तापमान 38 डिग्री रह सकता है।

अग्निपथ स्कीम के खिलाफ दायर अर्जी पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सेना में भर्ती के लिए लाई गई अग्निपथ स्कीम के विरोध में दायर अर्जी को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। शीर्ष अदालत में अगले सप्ताह गर्मियों की छुट्टियां समाप्त होने के बाद इस पर सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका में एयरफोर्स कर्मियों का कहना है कि इसके चलते उनका करियर 20 साल की बजाय महज 4 साल का ही हो जाएगा। याचिका दायर करने वाले एडवोकेट एम.एल शर्मा ने कहा, %मेरी अर्जी है कि सरकार की ओर से भर्ती के लिए जो नोटिफिकेशन जारी किया गया है, उसे कैंसिल किया जाए। सरकार कोई भी स्कीम ला सकती है, लेकिन यहां बात सही और गलत की है। अब भी 70 हजार लोग ऐसे हैं, जो नियुक्ति पत्र का इंतजार कर रहे हैं। यह अर्जी जस्टिस

इंदिरा बनर्जी और जस्टिस जेके माहेश्वरी की वैकेशन बेंच के समक्ष दाखिल की गई है। याची का कहना है कि अग्निपथ स्कीम कम से कम उन लोगों पर लागू नहीं होनी चाहिए, जो पहले से चल रही भर्ती प्रक्रिया में शामिल हैं और नियुक्ति पत्र का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मसले पर तत्काल सुनवाई होनी चाहिए क्योंकि यह सैनिकों के करियर का सवाल है। वकील ने कहा कि कई बार कोशिशों के बाद भी रजिस्ट्री विभाग की ओर से तारीख नहीं दी गई है। शर्मा ने कहा कि अदालत को 14 जून को रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन को कैंसिल करना चाहिए, जिसमें अग्निपथ स्कीम का ऐलान किया गया था। इस मामले में एक और अर्जी अधिवक्ता विशाल तिवारी की ओर से दायर की गई है। उन्होंने अदालत से मांग की गई है कि अग्निपथ स्कीम के परीक्षण के लिए एक एक्सपर्ट कमिटी का गठन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कमेटी यह तय करे कि इस स्कीम का युवाओं के भविष्य और देश की सुरक्षा व्यवस्था पर क्या असर होगा। अग्निपथ स्कीम के विरोध में दायर याचिकाओं को देखते हुए केंद्र सरकार की ओर से भी एक परिवाद दाखिल किया गया है।

2 सप्ताह में ढह गया 56 साल की शिवसेना का किला

मुम्बई। महाराष्ट्र में चल रहे सियासी मुकाबले में हुए फ्लोर टेस्ट को अंतिम पड़ाव कहा जा सकता है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार ने 164 विधायकों के समर्थन से विश्वास मत हासिल कर लिया है। वहीं, करीब दो सप्ताह पहले सत्ता पर काबिज महाविकास अघाड़ी गठबंधन 99 पर सिमट गया। आंकड़ों और पद के लिहाज से देखें तो शिवसेना और खासतौर से ठाकरे परिवार की राजनीति खासी प्रभावित हुई है। एक ओर जहां पार्टी ने पहले विधायक गंवाए। वहीं, बाद में संघर्ष का अंत भी सीएम की गद्दी गंवाकर हुआ। एक बार विस्तार से समझते हैं कि आखिर शुरुआत किस तरह हुई... बात 20 या 21 जून की है।

तब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे उद्धव ठाकरे ने शिवसेना के सभी विधायकों की बैठक बुलाई थी। उन्हें विधान परिषद के चुनाव में क्रॉस वोटिंग को लेकर शक हुआ था। इस बैठक में पार्टी के सभी विधायकों को मौजूद रहने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, मंत्री एकनाथ शिंदे और 11 विधायकों का कोई पता नहीं चल रहा था। खबरें आईं कि महाराष्ट्र के एक दर्जन विधायक सूरत पहुंचे हैं। 22 जून को खबर आई कि गुजरात के सूरत में ठहरे विधायक ने उत्तर पूर्वी राज्य असम के गुवाहाटी का रुख किया है। वहां पहुंचने पर शिंदे ने 40 विधायकों के समर्थन का दावा किया। खास बात है कि यह आंकड़ा उन्हें दल बदल कानून से बचने के लिए काफी था। तीसरे दिन दीपक केसरकर, मंगेश कुडलकर और सादा सर्वांकर भी गुवाहाटी पहुंच गए। तब सभी बागी विधायकों ने पहली बार वीडियो जारी कर शक्ति प्रदर्शन किया। इधर, मुंबई में शिवसेना विधायकों के अपहरण के दावे कर रही थी। खास बात है कि 34 विधायकों के हस्ताक्षर वाला प्रस्ताव राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के पास गया।

खास खबर

डेनमार्क: कोपेनहेगन के मॉल में ताबड़तोड़ गोलीबारी, 3 की मौत, 3 की गंभीर

कोपेनहेगन। अमेरिका में बढ़ते गन कल्चर के बीच डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन के मॉल में रविवार को हुई गोलीबारी में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। कोपेनहेगन पुलिस निरीक्षक सोरेन थॉमसन ने बताया कि मारे गए तीन लोगों में से एक व्यक्ति की उम्र 40 के आसपास थी और 'दो अन्य युवा थे।' थॉमसन ने पत्रकारों को बताया कि गोलीबारी करने वाले संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसकी पहचान डेनमार्क के 22 वर्षीय नागरिक के तौर पर हुई है। हमले में किसी अन्य के शामिल होने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। डेनमार्क में बंदूक हिंसाए दुर्लभ ही देखी जाती हैं। थॉमसन ने बताया कि अभी गोलीबारी करने की वजह पता नहीं चल पाई है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फेडरिक्सन ने कहा, 'हमला समझ से परे...हृदयविदारक है। हमारी सुंदर और आमतौर पर लोगों के लिए हमेशा सुरक्षित रही राजधानी में हालात कुछ ही सेकंड में बदल गए।' घटनास्थल से जो तस्वीरें सामने आई हैं, उसमें लोग मॉल से भागते हुए बाहर निकलते नजर आ रहे हैं। डेनमार्क एक टीवी ने तस्वीर साझा की, जिसमें एक व्यक्ति 'स्ट्रेचर' पर नजर आ रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लोग शोर मचाते हुए बाहर निकलने का प्रयास कर रहे थे और कुछ लोग दुकानों के भीतर भी छिप गए थे।

श्रीलंका सरकार को इस महीने कुछ और खेप आने से ईंधन की उपलब्धता में सुधार की संभावना

कोलंबो। ईंधन संकट से जूझ रही श्रीलंका सरकार ने उम्मीद जताई है कि देश में ईंधन की उपलब्धता में एक सप्ताह के भीतर सुधार होगा और इस महीने डीजल की तीन खेप सहित ईंधन की चार खेप आने की संभावना है। बिजली और ऊर्जा मंत्री कंचना विजेसेकरा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि डीजल की खेप 8-9 जुलाई, 11-14 जुलाई और तीसरी खेप 15-17 जुलाई को श्रीलंका पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि पेट्रोल की खेप 22-23 जुलाई को श्रीलंका पहुंच जाएगी। ईंधन की कमी के कारण शिक्षा मंत्रालय ने अगले सप्ताह चार जुलाई से आठ जुलाई तक सभी सरकारी और राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के लिए अवकाश घोषित किया है। संसद के सत्र को भी चार दिनों के बजाय तीन दिन का कर दिया गया है। पिछले हफ्ते से, सरकारी ईंधन कंपनी सिलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने निजी वाहनों को ईंधन जारी करना बंद कर दिया और केवल आवश्यक सेवाओं तक ही इसकी आपूर्ति की जा रही है। इंडियन ऑयल कंपनी (आईओसी) प्रबंधित लंका आईओसी ने सीमित आधार पर निजी ग्राहकों को ईंधन की आपूर्ति की जिससे एलआईओसी के 200 से अधिक स्टेशन के पास मीलों लंबी कतार लग गई। विजेसेकरा ने कहा कि सरकार ने पूर्वी जिले त्रिंकोमाली में एलआईओसी के भंडारण से ईंधन खरीदने की व्यवस्था की है। श्रीलंका सरकार रूस से रियायती तेल खरीदने के विकल्प भी तलाश रही है। विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आने के कारण अभूतपूर्व आर्थिक संकट के बीच द्वीपीय राष्ट्र ईंधन भंडार को फिर से भरने के लिए कई कदम उठा रहा है। पिछले सप्ताह लंबी अवधि तक ईंधन की आपूर्ति को लेकर समझौते के लिए विजेसेकरा कतर गए थे।

मानहानि मामले में संजय राउत के खिलाफ वारंट जारी

मुम्बई। मानहानि केस में शिवसेना नेता सांसद संजय राउत के खिलाफ वारंट जारी हुआ है बीजेपी नेता किरीट सोमैया की पत्नी ने संजय राउत पर मानहानी का केस दर्ज किया था जनकी शिकायत पर मुंबई की सेवरी कोर्ट ने ये वारंट जारी किया गया है बताया जा रहा है कि किरीट सोमैया की पत्नी मेघा के बारे में संजय राउत ने सामना में एक लेख लिखा था इस लेख में दावा किया गया था कि मीरा भांडर कॉरपोरेशन में एक प्राइवेट स्कैम हुआ है जिसे मेघा सोमैया ने किया है जिसकी शिकायत दर्पति ने की थी इस मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी सेवरी मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने पिछले महीने ही शिवसेना सांसद संजय राउत के खिलाफ समन जारी कर उन्हें 4 जुलाई को पेश होने को कहा था, लेकिन राउत पेश नहीं हुए शिवसेना सांसद संजय राउत ने मेधा सोमैया पर 100 करोड़ रुपये के शौचालय घोटाले का आरोप लगाया था राउत के अनुसार मेधा सोमैया ने अपने मीरा-भयंदर नगर निगम द्वारा अपने गैर-सरकारी संगठन युवा प्रतिष्ठान के माध्यम से शौचालयों के निर्माण के लिये आवंटित धन का दुरुपयोग किया इसके बाद मेधा सोमैया ने वकील विवेकानंद गुप्ता के माध्यम राउत के बयान को निराधार बताते हुये शिकायत दर्ज की।, और आरोपी संजय राउत के खिलाफ आइपीसी की धारा 499 और 500 के तहत कार्रवायी करने की मांग की।

न्यूज़ ट्रैक....

पूर्व भारतीय गोलकीपर सुधीर का गोवा में निधन

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय फुटबॉलर ईएन सुधीर का आज सुबह गोवा में निधन हो गया। भारतीय टीम के गोलकीपर रहे सुधीर 1970 के दशक में खेलते थे। सुधीर के परिवार में एक बेटा और बेटी है। वह उम्र से जुड़ी बिमारियों से पीड़ति थे। उसने निधन से फुटबॉल जगत में शोक की लहर छायी है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के कार्यवाहक महासचिव सुनंदो धर ने सुधीर के निधन पर अपने शोक संदेश में कहा , सुधीर हमेशा अपनी उपलब्धियों में जीवित रहेंगे। वह कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहे हैं। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। गौरतलब है कि सुधीर ने घरेलू फुटबॉल में तीन अलग अलग टीमों की ओर से संतोष ट्रॉफी में खेला है। उन्होंने केरल की ओर से 1969 और 1970, गोवा की ओर से साल 1971, 1972 और 1973 जबकि 1975 में महाराष्ट्र की ओर से खेला था। सुधीर ने क्लब स्तर पर केरल के यंग चैलेंजर्स, गोवा के वास्को स्पोर्ट्स क्लब और महिंद्रा एंड महिंद्रा की ओर से भी खेला था। इस खिलाड़ी ने साल 1972 में ओलंपिक क्वालीफायर के दौरान यंगून में इंडोनेशिया के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया था। उन्होंने नौ मैचों में भारत की ओर से खेला है। वह 1973 मर्डेका कप और 1974 में एशियाई खेलों में भारतीय टीम में शामिल रहे थे।

पहली बार विम्बलडन क्वार्टर फाइनल में पहुंची मारिया

विम्बलडन । जर्मनी की तात्याना मारिया ने 34 साल की उम्र में विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। तात्याना ने दूसरे सेट में दो मैच अंक बचाए और साल 2017 की फ्रेंच ओपन चैंपियन लात्विया की येलेना ओस्टापेंको को हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। विश्व रैंकिंग में 103वें स्थान पर कायम मारिया ने महिला एकल के करीबी मुकाबले में 5-7, 7-5, 7-5 से जीत दर्ज की। मारिया ने ओस्टापेंको के खिलाफ दूसरे सेट में 5-4 से पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी करते हुए दो मैच अंक बचाये ओर सेट अपने नाम किया। अब अगले दौर में मारिया का मुकाबला अपनी ही हमवतन ज्यूल निमियर से होगा। वहीं पहली बार विम्बलडन में भाग ले रही निमियर ने स्थानीय खिलाड़ी हीथर वॉटसन को 6-2, 6-4 से हराया था।

म्यूनिख ने फारवर्ड माने से करार किया

म्यूनिख । जर्मन फुटबॉल क्लब बायर्न म्यूनिख ने लिवरपूल की ओर से खेल रहे सेनेगल के फारवर्ड सादियो माने के साथ करार किया है। लीवरपूल क्लब ने कहा कि माने ने जून 2025 तक बायर्न म्यूनिख से करार किया है। बायर्न म्यूनिख के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओलिवर कान ने माने की तारीफ करते हुए कहा कि उनके जैसे खिलाड़ी काफी कम हैं। हमें पूरा भरोसा है कि वह आगामी वर्षों में अपने खेल से हमारे दर्शकों को खुश होने का अवसर देंगे। म्यूनिख का माने को लेकर यह अनुबंध करीब 4.10 करोड़ यूरो का बताया गया है। माने ने भी कहा है कि वह बायर्न की ओर से खेलने को लेकर उत्साहित हैं।

भारतीय टीम ने आठ विकेट पर बनाए 149 रन

टीम इंडिया ने दूसरे अभ्यास मैच में नॉर्थहैम्प्टनशायर को 10 रनों से हराया

नॉर्थहैम्प्टन । भारतीय क्रिकेट टीम ने दूसरे अभ्यास मैच में नॉर्थहैम्प्टनशायर को 10 रनों से हराया। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए आठ विकेट पर 149 रन बनाए थे। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए नॉर्थहैम्प्टनशायर की टीम 19 ओवर और तीन गेंदों में 139 रनों पर ही सिमट गयी। इस मैच में भारतीय टीम के शीर्ष बल्लेबाज विफल रहे। ऐसे में हर्षल पटेल ने निचले क्रम पर आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाकर भारतीय टीम को 149 रनों तक पहुंचाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पहली ही गेंद पर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद उनके जोड़ीदार ईशान किशन भी 16 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं राहुल त्रिपाठी ने 7 रन बनाये। सूर्यकुमार यादव खाता नहीं खोल पाये। 51 रनों पर 4 विकेट गिरने के बाद कप्तान दिनेश कार्तिक ने टीम को संभाला। कार्तिक ने 34 रन बनाए। वेंकटेश अय्यर भी 20 रन बनाने में सफल रहे। निचले क्रम में आए हर्षल ने 36 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्कों की मदद से 54 रन बनाकर भारतीय टीम को 149 रनों तक पहुंचाया।

वहीं नॉर्थहैम्प्टनशायर की ओर से एन. बक ने 17 रन देकर 2, ब्रैंडन ग्लोवर ने 33 रन देकर तीन व फ्रैंडी ने 33 रन देकर दो विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए नॉर्थहैम्प्टनशायर की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही। अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा ने शुरूआत में ही विकेट लेकर नॉर्थहैम्प्टनशायर टीम को करारा झटका दिया। सलामी जोड़ी के आउट होने के बाद सैफ जैब ने 35 व जेम्स सील्स ने 12 रन बनाये। अंत के ओवरों में नाथन बक ने 18 जबकि ब्रैंडन ने 15 रन बनाए पर ये रन टीम को जीत दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं थे। नॉर्थहैम्प्टन को अंतित ओवर में जीत के लिए 11 रनों की जरूरत थी तब हर्षल ने विकेट लेकर भारतीय टीम को जीत दिलायी।

8 रन पर गिर गए थे भारत के 3 विकेट

इस मैच में भारत की शुरुआत बिल्कुल भी अच्छी नहीं रही। 8 रन के स्कोर पर टीम के तीन विकेट गिर गए थे। संजू सैमसन बिना खाता खोले मैच की पहली ही गेंद पर आउट हो गए। राहुल त्रिपाठी (7) और सूर्यकुमार यादव (0) भी जल्द ही पवेलियन लौट गए।

कनाडा में मेजर लीग फुटबॉल में खेलते हुए खिलाड़ी।

क्वालालंपुर में मलेशियाई ओपन के मिश्रित युगल बैडमिंटन मुकाबले में खेलते हुए झेंग शिवेई व हुवांग यक्वींग।

भारतीय धाविका पारूल ने महिला 3000 मीटर स्पर्धा में बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली । भारतीय धाविका पारूल चौधरी ने लॉस एंजिलिस में महिला 3000 मीटर स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया है। पारुल ने आठ मिनट 57.19 सेकेंड का समय निकाला। इस भारतीय धाविका ने इसी के साथ ही साउंड रनिंग मीट के दौरान राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। वह महिला 3000 मीटर स्पर्धा में नौ मिनट से कम समय लेने वाली देश की पहली एथलीट बनी। स्टीपलचेज खिलाड़ी पारूल ने इसी के साथ ही छह साल पहले के सूर्या लोंगनाथन के नौ मिनट 4.5 सेकेंड के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा। दौड़ में पारूल पांचवें स्थान पर चल रही थी पर अंतिम दो लैप में जोरदार प्रदर्शन करते हुए वह पोडियम पर जगह बनाने में सफल रही। तीन हजार मीटर हालांकि गैर ओलंपिक स्पर्धा है। पारूल को इस महीने अमेरिका के ओरेगन में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए भी भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वह महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज में भाग लेंगी।

अब मुम्बई के घरेलू क्रिकेटरों को भी मिलेगा केंद्रीय अनुबंध : एमसीए

मुंबई । मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने घरेलू क्रिकेटरों को टीम इंडिया जैसा अनुबंध देने का फैसला किया है। इससे प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों को लाभ होगा। एमसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह फैसला हाल में शीर्ष परिषद की बैठक में लिया गया और यह बीसीसीआई के अनुबंध जैसा ही होगा। संघ की क्रिकेट सुधार समिति (सीआईसी) इसके लिए काम कर रही है। गौरतलब है कि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने साल 2019 में घरेलू क्रिकेटरों को अनुबंध देने की बात कही थी।

एमसीए की सीआईसी में इस समय नीलेश कुलकर्णी, जतिन परांजपे और विनोद कांबली शामिल है। बीसीसीआई पुरूष और महिला क्रिकेटरों से केंद्रीय अनुबंध करता है और उन्हें उनके ग्रेड के अनुसार सालाना राशि दी जाती है। अब अनुबंध के बाद एमसीए भी बोर्ड के ग्रेडिंग सिस्टम के तहत ही अपने खिलाड़ियों को अलग-अलग ग्रेड में बांटेगी हालांकि, कितने खिलाड़ी अनुबंध का हिस्सा होंगे और कितने अलग-अलग ग्रेड होंगे, यह अभी तय नहीं हुआ है हालांकि जिन खिलाड़ियों को बीसीसीआई का केन्द्रीय अनुबंध मिला है वे एमसीए की इस सूची से बाहर रहेंगे। इस प्रकार अधिक से अधिक घरेलू खिलाड़ियों को इस योजना का लाभ मिलने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2021-22 घरेलू सत्र में मुंबई की टीम के अच्छे प्रदर्शन के बाद अध्यक्ष विजय पाटिल ने इस अनुबंध का प्रस्ताव बनाया था। इसे सैद्धांतिक रूप से अपेक्स काउंसिल की सहमति मिल गई है। अब अगले माह अगस्त में होने वाली एजीएम में इसे पेश किया जाएगा और इसमें भी इस प्रस्ताव पर सहमति बननी तय है। संघ ने इस बीच अपनी रणजी ट्राफी उपविजेता टीम के लिये एक करोड़ रूपये के पुरस्कार को भी मंजूरी दे दी है।

प्रोड्यूसर बनी शहनाज गिल

छोटे पर्दे के मशहूर विवादित शो बिग बॉस 13 में नजर आने वाली प्रतियोगी शहनाज गिल अक्सर सुर्खियों में बनी रहती है। शहनाज गिल को दर्शक ज्यादा पसंद करते हैं। जब से वो विवादित शो बिग बॉस 13 में आई हैं तब से शहनाज गिल लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। हालांकि बिग बॉस के शो में सिद्धार्थ शुक्ला के साथ शहनाज गिल की जोड़ी को फैंस भी काफी पसंद करते हैं। इन दोनों की दोस्ती, रोमांस और तकरार लोगों के बीच काफी ज्यादा मशहूर है। आज भी शहनाज गिल और सिद्धार्थ शुक्ला की बॉन्डिंग शानदार है और दोनों एक दूसरे के जिगरी दोस्त कहे जाते हैं। सोशल मीडिया पर भी अक्सर एक-दूसरे की तारीफ करते हुए दिखाई देते हैं और टांग खिंचाई करने से भी पीछे नहीं हटते हैं। बता दें कि शहनाज गिल अब प्रोड्यूसर बन गई है। इस बात की जानकारी सिद्धार्थ शुक्ला ने उनको बधाई देते हुए दी है। शहनाज गिल ने एक लिटिल स्टार नाम का एक म्यूजिक वीडियो बनाया है और अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला काफी ज्यादा खुश हैं। और उन्होंने सोशल मीडिया पर उनको बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी हैं। जिसमें उन्होंने लिखा कि, हेलो शहबाज बादशाह मेरे लड़के तुमने अच्छा काम किया। मैंने गाने को और गाने में तुम्हें पसंद किया, बहुत टैलेंटेड। इसी तरह तरक्की करो तुम भी। इसी तरह तरक्की करो तुम। तुम अब प्रोड्यूसर बन गई हो। क्या बात है बॉस। वाह तुम्हें गदर मचा रखना है। अपने को भी किसी काम के लिए याद करना। गर्व है तुम पर। जाहिर है कि सिद्धार्थ शुक्ला के मुंह से अपनी तारीफ सुनकर शहनाज गिल भी काफी ज्यादा खुश होंगी। शहनाज गिल और सिद्धार्थ शुक्ला की दोस्ती बिग बॉस 13 से ही बरकरार है।

अपने प्रियजनों को अपने करीब रखें: सनी लियोनी

सनी लियोन ने साझा किया कि उनके बच्चे निशा, अशर, नोआ और पति डेनियल वेबर ने उनके जन्मदिन पर उन्हें विशेष महसूस कराने के लिए खुद से छुआछूत से परे कर बेहतर किया, जो कि 13 मई को था। उन्होंने कहा, तो मेरे जन्मदिन पर मुझे विशेष महसूस कराने में लगाए गए सभी प्यार के लिए धन्यवाद। हम अपने आस-पास संसाधनों के कारण बनाते हैं, लेकिन निशा, अशर, नोआह और एदरेट99 ने खुद को छुआ-छूत से परे किया। आपके पास दुनिया की सभी चीजें हो सकती हैं। लेकिन परिवार के बिना आप कुछ भी नहीं हैं। उन्होंने आगे लिखा,मैं आप सभी से बहुत प्यार करती हूं! भगवान भला करे और सभी को सुरक्षित रखें! अपने प्रियजनों को अपने पास रखें और हर कीमत पर एक-दूसरे की रक्षा करें !! माता-पिता के रूप में यह हमारा काम है कि हम अपने परिवार की रक्षा करें और अपने परिवार का भरण पोषण करें। घर के अंदर रहें और मास्क पहनें। काम के बारे में बात करे तो, सनी अगली बार फिल्म द बैटल ऑफ भीमा कोरेगांव और वेब श्रृंखला अनामिका में दिखाई देंगी।

स्वतंत्र संगीत में कोई सीमा नहीं होती : कौशल किशोर

गीतकार कौशल किशोर का कहना है कि फिल्मों या शो के लिए गीत लिखना स्वतंत्र रूप से गीत लिखने से बहुत अलग है । ध्यान देने वाली बात ये है कि कैसे आज के दर्शक केवल संगीत वीडियो के सितारों से परे, एल्बम बनाने से जुड़े सभी लोगों के बारे में अधिक जानते हैं। कौशल ने गायक संगीतकार विशाल मिश्रा के साथ नए गीत तू भी सताया जाएगा के गीत के लिए सहयोग किया है। एली गोनी और जैस्मीन भसीन स्टारर ये वीडियो एल्बम हाल ही में रिलीज किया गया है। उन्होंने बताया, फिल्म संगीत और स्वतंत्र गीतों में बहुत अंतर होता है। जब आप स्वतंत्र गीत पर काम कर रहे होते हैं तो कोई सीमा नहीं होती। इसीलिए इसे स्वतंत्र संगीत कहा जाता है। आप एक स्क्रिप्ट से बंधे नहीं होते हैं। हालांकि, कौशल को दोनों तरह के गाने पसंद हैं। उन्होंने कहा कि मैं दोनों माध्यमों का आनंद लेता हूं चाहे वह फिल्मी हो या गैर फिल्मी संगीत हो। ऐसे कई फिल्मी गाने हैं जिन पर मैंने काम किया है, जब फिल्में रिलीज होने लगेंगी। मुझे यकीन है कि लोग उन गानों को उतना ही पसंद करेंगे जितना वे हाल के दिनों में मेरे एकल संगीत को दे रहे है।

बेटे तैमूर को याद कर भावुक हुई करीना कपूर खान, छलक आए आंसू

इसमे कोई दो राय नहीं है कि करीना कपूर खान बॉलीवुड की हॉट और ग्लैमरस मॉम है। करीना कपूर खान दो बच्चों की मां है। उन्होंने इस साल की शुरूआत में अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। उनके बड़े बेटे का नाम तैमूर अली खान है। जो अक्सर किसी ना किसी कारण सुर्खियों में बना रहता है। तैमूर अली खान बॉलीवुड की सबसे चर्चित और क्यूट स्टार किड है। जिसकी एक झलक पाने के लिए फैंस उतावले रहते है। बता दें कि करीना कपूर खान अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर परिवार की तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। उनके फैंस भी उनकी तस्वीरों को काफी पसंद करते है। अब करीना कपूर का एक पुराना वीडियो सामने आया है। जिसमे अभिनेत्री अपने लाडले बेटे तैमूर अली खान को याद करते रोने लगती है। बता दें कि करीना कपूर खान का ये वीडियो उनके डांस रिएलिटी शो डांस इंडिया डांस सीजन 7 का है। जिसमे अभिनेत्री नेशनल टीवी पर बेटे को याद कर भावुक हो जाती है और अपने आंसू नहीं रोक पाती है। करीना कपूर खान के डांस इंडिया डांस 7 के दौरान तैमूर को याद कर इमोशनल हो जाती है। करीना कपूर खान के आंसू छलक पड़ते हैं। वो अपने इस वीडियो में तमैर को याद कर भावुक हो जाती है और खुद को रोक नहीं पाती। करीना कपूर कहती हैं कि, मैं समझ सकती हूं कि मां होना क्या होता है। मुझे इस समय अपने बच्चे तैमूर की याद आ रही है। जो कि इस वक्त लंदन में है। अभिनेत्री के इस वीडियो को देखने के बाद उनके चाहने वालों की इस पर प्रतिक्रिया आ रही है। अगर हम बात करें करीना कपूर खान के काम से तो वो आने वाले दिनों में कई फिल्मों में नजर आने वाली है। जिसमें उनकी फिल्म लाल सिंह चड्ढा है। इस फिल्म में वो अभिनेता आमिर खान के साथ नजर आने वाली हैं।

उद्धव गुट को झटका

महाराष्ट्र विधानसभा में रविवार को स्पीकर का चुनाव हो गया। एनडीए के उम्मीदवार और भाजपा विधायक राहुल नार्वेकर ने बंपर वोटों से चुनाव जीत लिया। वे महाराष्ट्र विधानसभा के नए अध्यक्ष बने हैं। राहुल के सामने एमवीए ने शिवसेना के विधायक राजन साल्वी को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन, एमवीए का ये दांव कामयाब नहीं हो सका और गठबंधन के उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, सीएम एकनाथ शिंदे फूट को नहीं रोक सके। जैसे ही विधायक विधानसभा पहुंचे तो रुख बदलते भी देखने को मिला। शिवसेना विधायक नितिन देशमुख और कैलाश पाटिल वापस उद्धव कैंप में लौट आए। कुल मिलाकर देखें तो महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना (एकनाथ शिंदे) गुट की विधानसभा अध्यक्ष चुनाव में दूसरी बड़ी जीत हुई है। यूं तो नंबर गेम में भाजपा और शिंदे गुट का पक्ष पहले से ही मजबूत है, लेकिन इस जीत के मायने ही अलग हैं। कहा जा रहा है कि अब उद्धव ठाकरे गुट की मुश्किलें तेजी से बढने़ वाली हैं। यहां तक कि उद्धव अगर शिंदे गुट के साथ समझौता नहीं करते हैं तो उनके हाथ से पार्टी भी जा सकती है। राज्यपाल के आदेश पर दो दिन का विधानसभा विशेष सत्र बुलाया गया था। पहले ही दिन विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव तय था। भाजपा और शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट ने पहली बार विधायक चुने गए राहुल नार्वेकर को अपना उम्मीदवार बनाया। वहीं, महा विकास अघाड़ी ने शिवसेना (उद्धव गुट) के राजन सालवी मैदान में उतारा। चुनाव शुरू होने से पहले ही विधानसभा स्थित शिवसेना के कार्यालय को सील कर दिया गया। कार्यालय पर नोटिस चस्पा हुआ कि इसे शिवसेना विधायक दल के निर्देशानुसार सील किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि यह कार्रवाई एकनाथ शिंदे गुट की तरफ से हुई। मतलब अब विधानसभा में एकनाथ शिंदे गुट शिवसेना पर पूरी तरह कब्जा करने लगी है। इस दौरान एकनाथ शिंदे गुट ने व्हिप भी जारी किया, जिसमें सभी विधायकों से कहा गया कि वे भाजपा के उम्मीदवार राहुल नार्वेकर को ही वोट करें। यह व्हिप उद्धव ठाकरे गुट के विधायकों को भी दिया गया। राहुल नार्वेकर चुनाव जीत गए और विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी पर भाजपा का कब्जा हो गया। विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव में यह साफ हो चुका है कि भाजपा और एकनाथ शिंदे के पास बहुमत है। भाजपा उम्मीदवार राहुल नार्वेकर को 164 वोट मिले, जबकि विपक्ष के उम्मीदवार राजन साल्वी के पक्ष में केवल 107 वोट ही पड़े। विधानसभा अध्यक्ष चुनाव से साफ है कि एकनाथ शिंदे के साथ शिवसेना के ज्यादातर विधायक हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट में फूट बढने़ का अनुमान ज्यादा है। ऐसे में शिंदे गुट के विधायकों पर चल रही अयोग्यता की कार्रवाई भी विधानसभा अध्यक्ष खारिज कर सकते हैं। ज्यादातर विधायक और सांसद शिंदे गुट के साथ हैं। अब विधानसभा अध्यक्ष भी भाजपा का है। अब उद्धव गुट कमजोर पडने़ लगा है। ऐसे में संभव है कि आने वाले दिनों में शिंदे गुट शिवसेना पर पूरी तरह से कब्जा कर ले।

कहो तो कह दूं। ना तो वो बेचारा झूठे वादे करता है और ना ही वोट मांगता है.....

चैतन्य भट्ट

पाकिस्तान के कराची की सिटी कोर्ट में एक याचिका दायर हुई है जिसमें याचिका दायर करने वाले को राजनेताओं की तुलना ÷गधों÷ से करने पर भारी ऑब्जेक्शन है, उसका कहना है कि बेरिस्टर अख्तर हुसैन ने एक राजनीतिक अभियान के दौरान राजनेताओं की तुलना गधों से की है जो गधों का सरासर अपमान है याचिका पर जल्दी सुनवाई होने वाली है और ये खबर सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रही है, याचिका कर्ता की मांग बिल्कुल जायज है दुनिया में सबसे मासूम जानवर अगर कोई है तो वह गधा ही है जो न किसी को चोट पहुंचाता है ना किसी से कुछ गलत कहता और करता है, जितना चाहे बोझा लाद दो सर झुका कर उसे उसके गंतव्य तक पहुंचा देता है अब ऐसे मासूम सीधे-साधे जानवर की तुलना यदि राजनेताओं से की जाएगी तो उन गधों को बुरा लगना जायज भी है और स्वाभाविक भी। याचिका कर्ता की बात अपने हिसाब से सौ फीसदी सही है गधे और राजनीति का दूर दूर तक कोई वास्ता नहीं है गधा ना तो बेचारा किसी से झूठे वादे करता है और ना किसी से वोट मांगता है ना सत्ता में आने के बाद भ्रष्टाचार करता है ना ही एक बार चुनाव जीतने के बाद अपने मतदाता को भूलता है और ना ही देखते देखते साइकिल से ÷एस यू वी÷ पर सवार हो जाता है वो तो जिंदगी भर बोझ ढोता ढोता मर जाता है, दूसरी तरफ नेता जनता पर बोझ बन जाते है 5 साल तक जनता उनका बोझ ढोती रहती है फिर कोई दूसरा नेता उसकी जगह ले लेता है कुल मिलाकर जनता ÷विक्रम÷ होती है और नेता ÷बेताल÷ जो जनता को कहानी सुना सुना कर उसकी पीठ पर लदे लदे अपना टाइम पास करते हैं और जनता विक्रम की भांति कहानी सुनती रहती है । गधों के पक्ष में जिसने याचिका लगाई है वो धन्यवाद का पात्र है क्योंकि गधों की भी अपनी इज्जत होती है और अगर राजनेताओं से उसकी तुलना की जाती है तो उसकी इज्जत तार तार हो सकती है इसलिए याचिकाकर्ता ने मांग की है कि ऐसा नियम बनाया जाए ताकि कोई भी गधों की तुलना राजनेताओं से न कर पाए , अब देखना ये है कि गधों के सम्मान के लिए अदालत क्या निर्णय लेती है और जिसने भी गधों की तुलना राजनेताओं से की है उनको क्या दंड देती है यदि पाकिस्तान की अदालत गधों के सम्मान के लिए कोई ऐसा फैसला देती है तो यह एक नजीर बन जाएगी और बेचारे गधे भी अपनी तुलना नेताओं से करने की झंझट से हमेशा के लिए मुक्त जो जाएंगे ।

तो बनाया ही क्यों था मोबाइल

खबर है कि मोबाइल के जनक ÷मार्टिन कूपर÷ ने लोगों द्वारा मोबाइल पर टाइम बर्बाद करने पर चिंता व्यक्त की है उनका कहना है कि मोबाइल पर समय बर्बाद करने से बेहतर है कि असली जिंदगी जी जाए। ÷सब कुछ लुटा के होश में आए तो क्या किया÷ अब याद आ रहा कि बड़ी गलत चीज दुनिया में इंट्रोड्यूस कर दी ,यदि अपने ही आविष्कार से इतनी परेशानी थी तो भैया किसने कहा था कि मोबाइल का आविष्कार कर दो, अब जब मोबाइल हाथ में दे दिया है तो उसका यूज़ होगा ही दूसरी बात वॉट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम इन में ऐसी ऐसी चीजें लगातार आती रहती हैं कि आधी आधी रात को उठकर देखने के लिए आदमी तैयार रहता है एक सर्वे बता रहा है कि देश के तेहत्तर फीसदी लोग अपने मोबाइल को अपने टॉयलेट में ले जाते हैं कि पता नहीं किसका फोन आ जाए, पता नहीं कौन सा वीडियो देखने से वे चूक जाएं, पता नहीं कौन सा मैसेज उनकी निगाह में ना पड़

पाएं इसलिए लघुशंका और दीर्घशंका दोनों के समय ही वे मोबाइल को अपने साथ रखना पसंद करते हैं। सर्वे में आया है कि भारतीय सुबह उठ कर ब्रश बाद में करते हैं मुंह बाद में धोते हैं पहले मोबाइल के मैसेज शेयर करते हैं । इधर प्रेमी प्रेमिकाओं के लिए तो मोबाइल जैसे वरदान हो गया है पहले तो आशिक को महबूबा की एक झलक पाने के लिए मोहल्ले के चक्कर काटने पड़ते थे और आशिक की किस्मत ही होती थी की महबूबा ÷कचरा÷ फेंकने बाहर आए और उसका दीदार आशिक को हो जाए बाद में जब लेंड लाइनफोन आ गए तो घर से फोन कर सकते थे फिर भी डर रहता था कि यदि कहीं महबूबा के बाप ने फोन अटेंड कर लिया तो ऐसी तैसी तय है, लेकिन जब से मोबाइल आया उनकी मोहब्बत परवान चढ़ गई है ?200 का रिचार्ज करवाओ और जितने चाहे घंटों बातें करो, कोई रोक-टोक नहीं ऐसे सुविधाजनक यंत्र पर उनके आविष्कारक रोक लगाने की बात कर रहे हैं तो ये कैसे संभव है सर्वे बताता है कि हर भारतीय लगभग पांच घंटे मोबाइल पर बिताता है यानि उसकी जिंदगी में और कुछ मोबाइल के अलावा बचा नहीं है इसलिए आप ऐसे तो ना÷ थे फिल्म का यह गीत हर मोबाइल धारक पर सटीक बैठता है तू इस तरह से मेरी जिंदगी में शामिल है जहां भी जाऊं लगता है तेरी महफिल है ।

बीबी के लिए इतना तो बनता है

मझोली के एक शिक्षक को साहब ने इसलिए सस्पेंड कर दिया क्योंकि वो अपनी बीबी जो सरपंच का चुनाव लड़ रही है का चुनाव प्रचार कर रहे थे जबकि उनकी ड्यूटी चुनाव में लगी थी कुछ जलकुकड़ों ने भाई जी की शिकायत कर दी कि सरकारी कर्मचारी होने के बावजूद भी वे प्रत्याशी का प्रचार कर रहे हैं और भाई सस्पेंड हो गए, अब आप ही बताओ कि यदि पत्नी चुनाव में खड़ी है तो पति का कर्तव्य बनता है कि नहीं कि वो उसको चुनाव जिताने के लिए जी जान लड़ा दे ,पति पत्नी के बीच तो सात जन्मों का संबंध होता है वे शादी के दौरान कसमें भी खाते हैं कि कैसी भी परिस्थिति हो एक दूसरे का साथ और हाथ दोनो नहीं छोड़ेंगे अब पतिदेव कैसे चुनावों के दौरान अपनी पत्नी का साथ छोड़ देते तो उसका क्या होता उन्होंने अग्नि के समक्ष कसम खाई थी इसलिए उन्होंने भी छाती ठोक कर अफसर से कह दिया कि कर दो सस्पेंड या बर्खास्त जब तक वोट नहीं डल जाएंगे मैं ड्यूटी पर नहीं आने वाला। पति हो तो ऐसा पत्नी के लिए सब कुछ त्यागने तैयार नौकरी तक दांव पर लगा दी, वैसे उसको मालूम है कि बस एक बार बीबी सरपंच बन भर तो जाए उसके बाद तो वारे न्यारे होने में कोई टाइम नहीं लगेगा, विकास के नाम पर जो पैसा आएगा सब मिल बैठ कर बांट लेंगे नौकरी नहीं भी रही तो क्या फर्क पड़ता है।

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ। उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा। उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीडघ्तों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

आर्थिक मंदी और कर्ज के बोझ से भारतीय अर्थ- व्यवस्था बारुद के ढेर पर

सनत कुमार जैन

भारत की अर्थ व्यवस्था और मंदी को लेकर रिर्जव बैंक की ताजा रिपोर्ट ने अर्थ - विशेषज्ञों को गंभीर चिंता में डाल दिया है। सरकार भी इस स्थिति से निपटने के लिए फौरी प्रयास कर रही है। उससे अर्थ -व्यवस्था और बिगड़ रही है। मंहगाई, बेरोजगारी, कर्ज, बढ़े हुए टेक्स एवं शुल्क को लेकर आम कर्ज के बोझ से जनता कराह रही है। 2014 में अच्छे दिन के नारे से केन्द्र में नई सरकार आई है। 2014 में जो अर्थ - व्यवस्था थी। उसमें बेहतर तो नहीं हुआ, उल्टे 2022 तक भारत की आर्थिक स्थिति बद से बदहाल हो गई है। 2014 में भारत का अर्न्तराष्ट्रीय कर्ज 55 लाख करोड़ रूपये था जो अब बढकर 133 लाख करोड़ रुपया हो गया है। सरकार ने बैंकों और वित्तीय संस्थाओं से भारी कर्ज लिया है। जीएसटी के दायरे में गरीब और अमीर सभी आ गए हैं। जीएसटी का दायरे में सामान, सेवाओं यहॉ तक की बैंकिंग एवं कर्ज को भी जीएसटी के दायरे में लाकर गरीबों पर भी भारी टेक्स लगाया गया है। इसके बाद भी अर्थ - व्यवस्था सुधरने के स्थान दिबालिया होने की कगार पर पंहुच रही है।

- अर्न्तराष्ट्रीय कर्ज

2014 में भारत के उपर अर्न्तराष्ट्रीय संस्थाओं का कर्ज 53 लाख करोड़ था। जून 2022 में यह बढकर 133 लाख करोड़ रुपया हो गया है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में मार्च 2023 तक विदेशी कर्ज बढकर 153 लाख करोड़ होने का अनुमान है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में कर्ज का यह बोझ अकल्पनीय है। आर्थिक मंदी के दौर में कर्ज पर ब्याज के बोझ से आम जनता को राहत देने वाली योजनाओं को लागू रख पाना सरकार के लिए मुश्किल हो रहा है।

विदेशी निवेश घटा :

वैश्विक आर्थिक मंदी के दौर में अमेरिका ने जैसी ही अपनी ब्याज दरें बढ़ाई। विदेशी निवेशक भारत से अपना निवेश निकालकर अमेरिका एवं अन्य देशों पर निवेश कर रहे हैं। परिणाम स्वरुप भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का जो दौर शुरू हुआ है। वह रुकने का नाम नहीं ले रहा है। विदेशी निवेशकों ने पिछले 6 माह में भारतीय बाजार से 2 लाख 18 हजार करोड़ का विदेशी निवेश निकाल लिया है। बाजार में गिराबट एवं आर्थिक मंदी के कारण भारतीय बाजार विदेशी निवेशकों के लिए लाभकारी नहीं रहे। वहीं भारत में अनका निवेश भी सुरक्षित नहीं रह गया। मौजूदा स्थिति भारत की आर्थिक स्थिति को विष्फोटक बना रही है।

मंहगाई और बेरोजगारी -

भारत में पिछले दो वर्षों से मंहगाई लगातार बढ रही है। मंहगाई पर लगाम लगाने में सरकार असफल रही है। आर्थिक मंदी, बेरोजगारी और मंहगाई के कारण आम आदमी पर कर्ज का बोझ लगातार बढ रहा है। आर्थिक संकट के कारण हजारों कारोबारियों एवं औद्योगिक समूहों ने दिबालिया घोषित कर कर्ज से पल्ला झाड़ लिया है। बैंकों की बेलेन्सशीट बेहतर बनाए रखने के लिए बैंकों के विलय और सार्वजनिक कम्पनियों के निजीकरण के बाद भी आर्थिक स्थिति में कोई सुधार नहीं हो पा रहा है।

-गरीबों की योजनाओं पर कटौती -

केन्द्र सरकार ने पिछले वर्ष की तुलना में बजट में सब्सिटी को काफी घटा दिया है। मनरेगा में पिछले वर्ष 98 हजार करोड़ का बजट था। जिसे घटाकर सरकार ने 73 लाख करोड़ कर दिया गया। आंगनवाड़ी, प्रधानमंत्री आवास योजना , स्वास्थ्य का बजट भी कम कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खास उज्जवला योजना का बजट 1618 करोण से घटाकर 800 करोण रुपया कर दिया। खाद की सब्सिडी 25 फीसदी कम हो गई है। अनाज की सब्सिडी घटा दी गई है। जीएसटी में 6 स्लेब और टेक्स के दायरे को तेजी से बढ़ाया गया। उसके बाद भी आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं हुआ।

2014 के बाद से केंद्र सरकार ने अर्थ व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए नोटबंदी, जीएसटी, सब्सिडी घटाने, टेक्स एवं शुल्कों में वृद्धि, जीएसटी के दायरे में सभी सेवाओं और गुड्स को शामिल करने, पेट्रोल-डीजल पर टेक्स बढ़ाकर सरकार ने अपनी आय तो बढ़ाई है। किन्तु इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होने के स्थान पर साल-दर-साल खराब होती जा रही है।

‘नूपुर’ की झँकार ‘सुप्रीम’ के प्रति ‘सुप्रीम’ की नाराजी....!

सूडोकु नवताल- 6122

★☆☆☆☆ सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -6121 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

ओमप्रकाश मेहता

देश पर राज कर रही सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने जो विवादित बयान दिया वही बयान उनकी जगह किसी ओर द्वारा दिया गया होता तो क्या वह नूपुर की तरह महफूज रह पाता? बयान का चौतरफा विरोध होने पर भाजपा ने फोरी कार्यवाही कर नूपुर को प्रवक्ता पद से हटा दिया, किंतु क्या उनकी गिरफ्तारी हुई, जबकि उनके इस बयान से बकौल सुप्रीम कोर्ट पूरे देश में आग लग गई यही नहीं उनके उस बयान के एक समर्थक की राजस्थान के उदयपुर में नृशंस हत्या तक कर दी गई, आखिर ऐसे खतरनाक माहौल को देखकर देश की सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप कर नूपुर शर्मा तथा उनके विवादित बयान की निन्दा करनी पड़ी, किंतु इस सबके बावजूद केन्द्र सरकार अभी भी मौन है, जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने इस माहौल के लिए केन्द्र को भी दोषी ठहराया है।

भाजपा की इस नैत्री के इस बयान के बावजूद दिल्ली में उनके खिलाफ कोई मामला तब तक दर्ज नही किया गया, जब तक कि इस मामले में केन्द्र के अधीन दिल्ली पुलिस पर कोई दबाव नहीं आया।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में दायर एक याचिका कीक बहस के दौरान जब नूपुर के वकील ने कहा कि- ''नूपुर की जान को खतरा है'', तो माननीय न्यायमूर्ति का कहना था कि नूपुर की जान को खतरा नहीं, बल्कि नूपुर स्वयं देश के लिए खतरा है, न्यायालय ने दिल्ली पुलिस द्वारा उसके खिलाफ अब तक कोई

कार्यवाही नहीं करने पर केन्द्र सरकार को भी आरोपी के कटघरे में खड़ा किया, सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर को निर्देश दिए कि वे टीव्ही चैनलों पर जाकर अपने इस बयान के लिए पूरे देश से माफी मांगें, वह भी बिना किसी शर्त के। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दिल्ली को छोड़ देश के आधा दर्जन से अधिक राज्यों में नूपुर के खिलाफ केस दर्ज हुए है और वे खेद व्यक्त करने के बजाय अभी भी ये सभी केस दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग कर रही है और उसकी वजह अपनी जान का खतरा बता रही है। जबकि सर्वोच्च न्यायालय इस मांग से सम्बंधित नूपुर की याचिका को खारिज कर चुकी है। अब यहां यह भी उल्लेखनीय है कि केन्द्र की मोदी सरकार कई मामलों के कारण विवादित होती जा रही है, फिर वह चाहे अग्निपथ योजना का मामला हो या कि इससे पूर्व की समान नागरिक संहिता या बुर्का प्रथा बंद करने के प्रयास हो, मोदी सरकार के और भी कुछ ऐसे कदम है जिनके कारण देश में साम्प्रदायिक विवाद बढ़ते जा रहे है। देश के एक वरिष्ठ राजनायिक ने ठीक ही कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार आए दिए नए-नए विवादों में फंस कर अपनी लोकप्रियता खोती जा रही है इस सरकार ने पिछ्ले कुछ महीनों में जितनी भी योजनाएं देश के सामने पेश की वे सभी देश के लिए ‘घाटे का सौदा’ सिद्ध हुई। हाल ही में कुछ अखबारों में छपा है कि सीएए, किसान, अग्निपथ तथा नूपुर प्रसंग के कारण हुई हिंसा-आगजनी आदि से देश को 646 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है और इन्ही वारदातों के कारण तथा सरकार के हर फैसले के विरोध के कारण ग्लोबल पीस इण्डेक्स (विश्व शांति सूची) में भारत 163 देशों की सूची में 135वें स्थान पर आ गया है और भारत के जीडीपी का 6 फीसदी हिस्सा हिंसा की आग में भस्म हो रहा है, किंतु भारत को इसकी कोई विशेष चिंता नही है? यदि यह चलता रहा तो भारत अफगानिस्तान को पीछे छोड़ पूरे विश्व के हिंसा वाले देशों की सूची में प्रथम स्थान पर पहुंच जाएगा। जबकि आज यह कोई सोचने को तैयार नहीं है कि हिंसा ही आज विकास की सबसे बड़ी बाधा है।

इस तरह कुल मिलाकर यदि यह कहा जाए कि केवल राज्य या विधायिका के चुनाव जीत जाने से लोकप्रियता बढ़ती है? यह गलत है इसके लिए सरकार को जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करनी होगी, क्योंकि अब देश की आजादी के पचहत्तर साल बाद देश का आम वोटर शिक्षित व जागरूक हो गया है, उससे कुछ भी छिपा हुआ नहीं है इसलिए समय रहते राजनीति को सही पथ की पहचान कर लेनी चाहिए।

भारत में क्यों चलाएं धर्मयुद्ध?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

नुपुर शर्मा के मामले में भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के दो जजों ने बहस के दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उन्हें लेकर देश में काफी बहस छिड़ गई है। अनेक लोग उनकी टिप्पणियों पर सख्त नाराजी जाहिर कर रहे हैं। वे पूछ रहे हैं कि उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या के लिए नुपुर को जिम्मेदार ठहरानेवाले जजों से कोई पूछे कि उनकी नुपुर-विरोधी टिप्पणियों के कारण यदि नुपुर या किसी अन्य व्यक्ति की हत्या हो जाए तो क्या इन सम्मानीय जजों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? यह तो सबको पता है कि जजों की टिप्पणियां उनके फैसले का अंग नहीं हैं, इसलिए उनका कोई कानूनी महत्व नहीं है। उन्हें बाजारू गप-शप की तरह अनदेखा भी किया जा सकता है और उस याचिका की भी जरुरत दिखाई नहीं पड़ती कि ये जज अपने टिप्पणियां वापिस लें। उन्होंने वकील के बयानों के जवाब में उत्तेजित होकर उसी तरह तीखी टिप्पणी कर दी, जैसे कि टीवी संवाद के दौरान नुपुर ने जवाब में वह टिप्पणी कर दी थी, जिसने काफी गलतफहमी पैदा कर दी है। इन जजों का यह प्रश्न भी ध्यान देने लायक है कि पत्रकार तो वैसी टिप्पणी कर सकता है लेकिन किसी पार्टी-प्रवक्ता को उत्तेजित होकर वैसी टिप्पणी करनी चाहिए क्या? हमारे राजनीतिक नेता और उनके प्रवक्ता खास तौर से टीवी चैनलों पर काफी निरंकुश टिप्पणियां कर देते हैं। उनको उसका करारा जवाब विरोधी लोग दिए बिना मानते नहीं हैं। टीवी मालिक तो यही चाहते हैं। यदि तू-तू मैं-मैं जमकर चले तो उनकी दर्शक-संख्या बढ़ेगी लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि इससे देश का कितना नुकसान हो सकता है। ऐसी बहसों को रोकने के लिए टीवी चैनलों पर भी अंकुश लगाया जाना जरुरी है। बेहतर तो यही हो कि इस तरह के विवादास्पद मुद्दों पर जो भी बहस हो, उसे पहले से रेकार्ड और संपादित करके ही जारी किया जाए। वरना जो कुछ उदयपुर और अमरावती में हुआ है, वह बड़े पैमाने पर भी हो सकता है। स्वतंत्र भारत के लिए इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है। भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन ने अपने दिल का दर्द कल अमेरिका के भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए सार्वजनिक कर ही दिया। उन्होंने कहा कि सत्तारुढ़ और विपक्षी नेता, दोनों ही चाहते हैं कि न्यायपालिका उनकी तरफ झुके लेकिन उसका धर्म उसके निष्पक्ष रहने से ही सुरक्षित रह सकता है। बहुत दुख की बात है कि हमारे प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता अपनी-अपनी रोटियां सेंकने से अब भी बाज नहीं आ रहे हैं।

मेरा संकल्प और वादा, मुरैना का होगा चहुमुखी विकासः शारदा सोलंकी

-वार्ड क्रमांक 23 में किया सघन जनसंपर्क

मुरैना। कांग्रेस पार्टी की महापौर पद की उम्मीदवार श्रीमती शारदा राजेंद्र सोलंकी ने वार्ड क्रमांक 23 में सघन जनसंपर्क किया। उनके साथ वार्ड 23 की कांग्रेस पार्षद पद की प्रत्याशी श्रीमती ममता राकेश गर्ग मौजूद थी। श्रीमती सोलंकी ने जनसंपर्क के दौरान वार्ड 23 की जनता से कहा कि आगामी होने वाले महापौर व पार्षद पद के चुनाव के लिए हमें अपना आशीर्वाद दें, हम इस बार नगर पालिक निगम के चुनाव में जनता के सहयोग से और आशीर्वाद से कांग्रेस का परचम लहराने वाले हैं। ऐसा हुआ तो मुरैना के वार्ड 1 से लेकर 47 तक विकास, प्रगति की गंगा बहेगी। मैं और मेरा परिवार, साथ ही हमारे जो पार्षद जीतकर आएंगे, वह अपने-अपने वार्ड में पूरी तन्मयता के साथ वार्ड का विकास करेंगे।

सोमवार की सुबह कांग्रेस पार्टी की महापौर पद की उम्मीदवार श्रीमती शारदा राजेंद्र सोलंकी ने अपने सहयोगी व पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ शहर जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा के निवास से जनसंपर्क प्रारंभ किया। वार्ड क्रमांक 23 पार्षद पद की उम्मीदवार, उनके सहयोगी एवं परिवारी जन श्रीमती सोलंकी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कांग्रेस के लिए वोट मांग रहे थे और सहयोग की अपील कर रहे थे। श्रीमती सोलंकी ने वार्ड 23 की जनता से कहा कि यह वार्ड मुरैना का हृदय स्थल है। सभी बाजार इसी वार्ड के अंतर्गत आते हैं, चाहे वह सर्राफा बाजार हो ,लोहिया बाजार हो, हनुमान चौराहा, झंडा चौक, पसारी बाजार, तेली पाड़ा, पड़ाव, शंकर बाजार, सिकरवारी बाजार, सदर बाजार, लुहार गली, कुलियाना मोहल्ला लेकिन यहां की सड़कों को आप देखें तो ऐसा लगता है कि किसी गांव की सड़कें हो, जबकि वार्ड क्रमांक 23 में 7 साल से भारतीय जनता पार्टी के पार्षद थे। उन्होंने वार्ड के बारे में वार्ड के विकास के बारे में कभी कोई चिंता नहीं की, ना ही कोई कार्य करवाया। वार्ड क्रमांक 23 में मुख्य बाजार है, गंदगी के ढेर लगे पड़े हैं, नाले चौक पड़े हैं, बरसात आ गई है, दुकानदारों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मैं सभी व्यापारियों भाइयों से वादा करती हूं, अगर आप सभी ने कांग्रेस पार्टी को नगर पालिक निगम के चुनाव में आशीर्वाद और सहयोग दिया तो, मुरैना के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। साथ ही जलकर, हाउस टैक्स को आधा करेंगे। जबसे नोटबंदी हुई है, तभी से व्यापारी व्यापार को लेकर परेशान हैं, इसके पीछे भी भारतीय जनता पार्टी की मंशा रही है। भाजपा ने कभी किसी के हित के बारे में नहीं सोचा है, चाहे वह बेरोजगार युवा हो, व्यापारी हो, किसान हो, उसने सिर्फ और सिर्फ झूठे वादे किए हैं। आज मैं जनसंपर्क में मुरैना शहर के वार्ड क्रमांक 1 से लेकर 6 तक जा रही हूं, तो अपनी आंखों से देखती हूं, चारों तरफ पानी भरा पड़ा है, जिसमें मच्छर पनप रहे हैं बीमारी होने का खतरा है। आवारा पशु चारों तरफ घूमते रहते हैं, जिन से घटना दुर्घटना लगातार होती रहती हैं, अगर 10 मिनट भी बरसात हो जाए तो छोटी-छोटी नाली, नालों में तब्दील हो जाती हैं और छोटे-छोटे नाले उफान पर आ जाते हैं, जिससे पूरा शहर जलमग्न हो जाता है। कभी-कभी तो विचार आता है कि कार में ना आते हुए हुए नाव में आते तो ज्यादा सही था। श्रीमती शारदा सोलंकी के जनसंपर्क में जनसमूह दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। जनसंपर्क के दौरान श्रीमती सोलंकी के साथ वार्ड क्रमांक 23 पार्षद पद के उम्मीदवार ममता, किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुर्जर, राकेश गर्ग, शहर जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा, कांग्रेस महासचिव जसवीर गुर्जर, राजेंद्र सोलंकी, अशोक सिंह भदोरिया, शशि सक्सैना, प्रमोद शर्मा हुसैनपुर, राजू गर्ग, नेहा गर्ग, विनोद शर्मा, निक्की गोयल, विवेक गोयल, श्याम शर्मा, अविनाश सिंघल, राकेश बंसल, असलम खान, अनवर खान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा पार्षद प्रत्याशी का रुपए बांटते हुए वीडियो वायरल, निर्दलीय प्रत्याशी ने दिया शिकायती आवेदन

- मामला अंबाह नगर पालिका पार्षद के चुनाव का

मुरैना। नगर पालिका परिषद अंबाह के लिए 6 जुलाई बुधवार को मतदान होना है और सोमवार की शाम 5 बजे प्रचार-प्रसार बंद हो गया ! सोमवार की सुबह अंबाह के वार्ड क्रमांक 12 से भाजपा प्रत्याशी एवं उसके समर्थकों द्वारा जबरन लोगों को पैसे बांटने का वीडियो वायरल हो गया और निर्दलीय प्रत्याशी ने इसकी शिकायत लिखित में चुनाव प्रेक्षक को करते हुए आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध करने की मांग की है। वार्ड क्रमांक 12 से नगर पालिका परिषद अंबाह के पूर्व उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह तोमर उर्फ नीतू की पत्नी शशि तोमर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रही हैं। सोमवार की सुबह उनके वार्ड में भाजपा प्रत्याशी गीता पत्नी गिर्राज चौधरी एवं उनके समर्थकों द्वारा वार्ड में जबरन मतदाताओं को डराया धमकाया जाकर पैसे दिए जा रहे हैं, इसका वीडियो लोगों ने कैद कर लिया और सोशल मीडिया के साथ-साथ चुनाव प्रेक्षक को भी दिया है। निर्दलीय प्रत्याशी शशि तोमर ने शिकायत में बताया कि सोमवार की सुबह 6 बजे करू शर्मा, राकेश सैनी निवासी चिरपुरा रोड मोहर सिंह के घर में घुस गए और उसकी पत्नी श्रीमती हर प्यारी को जबरदस्ती 6000 दे रहे थे, जिसका वीडियो बनाया गया। श्रीमती तोमर ने बताया कि ग्राम तोरिका निवासी मंटू सिंह अत्याधिक आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है और उसके विरुद्ध थाना अंबाह, पोरसा, मुरैना, दिमनी, नगरा, महुआ थाने में लूट डकैती एवं हत्या के प्रकरण पंजीबद्ध है तथा चुनाव में खुलेआम वार्ड में घूम रहे हैं और मतदाताओं को डरा धमका रहे है। श्रीमती शशि तोमर ने चुनाव परीक्षक को की गई। शिकायत में कहा है कि ऐसे अपराधियों का वार्ड में खुलेआम घूमना आमजन के साथ-साथ मेरे समर्थक व परिवार के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए वार्ड के लोगों एवं मेरे परिवार की जान माल की रक्षा की जाए तथा रुपए बांटने वाले लोगों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए।

काव्य धारा के संग, महिला काव्य मंच पर बिखरे रंग

- राष्ट्रीय महिला काव्य मंच मुरैना इकाई ने की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी

मुरैना। राष्ट्रीय महिला काव्य मंच मुरैना इकाई द्वारा रविवार को प्रेरणा परमार तृष्णा जिलाध्यक्ष मुरैना के सानिध्य में गीत, ग़ज़ल व कविताओं से सुसज्जित ऑनलाइन काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता राष्ट्रीय महिला काव्य मंच की महासचिव ज्योत्स्ना राजावत ने की व विशिष्ट अतिथि के रूप में पुष्पा मिश्रा ने शिरकत की। मंच सज्जा व माँ शारदे की स्थापना ज्योति जैन द्वारा की गई। गोष्ठी के आरम्भ में सर्वप्रथम माँ सरस्वती एवं भगवान श्री गणेश के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित कर महिला काव्य मंच मुरैना इकाई की उपाध्यक्ष बविता तोमर ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर सभी सरस्वती पुत्रियों ने माँ वीणापाणिनि क़ा आशीर्वाद प्राप्त किया। मुरैना इकाई की जिलाध्यक्ष प्रेरणा परमार तृष्णा के द्वारा काव्य गोष्ठी का सुंदर संचालन किया गया। माँ वीणापाणिनि की वंदना के पश्चात सभी बहनों ने अपनी-अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी।

काव्य प्रस्तुति में बविता तोमर ने प्रस्तुत करते हुए कहा कि-

नीर नयन क़ा नहीं लुटाता, बादल न बंजारा होता

विरह नहीं होता जीवन में, सागर कभी ना खारा होता

अगले क्रम में प्रेरणा परमार तृष्णा ने रचना सुनाते हुए कहा कि-

होगा तू अटल अविचल, हमने भी कहाँ अपने इरादों में ढील की हैं।

चाहत में चुनौती खुलेआम शैल को सलिल की हैं।।

कवियत्री संगीता बंसल ने अपनी रचना के माध्यम से कहा कि-

माँ है वो कभी नहीं बदलती,

जिन्दगी भर मुसीबतों के पहाङ लिए फिरती।

इस क्रम में एडवोकेट रीता पाठक ने अपनी रचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि-

मैं भी माटी तू भी माटी, मैं तुझमैं हूं तू मुझमें है,

मैं भी शीतल तू भी शीतल, मैं भी पावन तू भी पावन।

वर्तमान समय पर कटाक्ष करते हुए गीताशर्मा ने रचना सुनाते हुए कहा कि-

नये-नये नेता आ गए, नए नए वादों के साथ।

नये-नये नेता आ गए नई नई बातों के साथ।।

डॉ ज्योत्सना सिंह राजावत ने यादों का वर्णन करते हुए सुन्दर रचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि-

कभी मुस्कुरा कर कभी रुला कर सताती है यादें,

जितना दूर जाना चाहो उतना ही पास आती है यादें।

इसी क्रम में कवियत्री ज्योति जैन, पुष्पा मिश्रा आनंद, सीता चौहान, नितिन शर्मा नीति, डॉ मंजूलता आर्य, पदमा सोलंकी ने अपनी रचनाए प्रस्तुत की। काव्यगोष्ठी के अंत में नितिन शर्मा नीति ने सभी बहनों के जीवन की मंगल कामना करते सभी बहनों क़ा आभार व्यक्त कर काव्यगोष्ठी क़ा समापन किया।

गुजरात से गोपी गांव घर आए युवक की लाश पेड़ से लटकी मिली

परिजनों ने गांव के कुछ लड़कों पर लगाया हत्या का आरोप

मुरैना। सिहोंनिया थाना क्षेत्र के गोपी गांव के बीहड़ में गुजरात में टाइल्स मार्बल की ठेकेदारी करने वाले नव युवक की लाश पेड़ से लटकी मिली है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। इधर परिजनों ने गांव के ही कुछ लड़कों से पुरानी रंजिश होने के चलते हत्या की आशंका जताई है। जानकारी के अनुसार राधेश्याम रधु तोमर पुत्र गजराज सिंह तोमर 21 वर्ष निवासी गोपी गांव गुजरात में मार्बल टाइल्स की ठेकेदारी करता था और कुछ दिन पूर्व ही वह अपने गांव घर आया हुआ था। परिजनों के अनुसार 2 जुलाई को वह गांव में बाइक से जा रहा था, तभी पुरानी रंजिश के चलते कुछ लड़कों ने कट्टा अड़ाकर उसकी बाइक छीन ली और मारपीट कर दी थी जो बाइक अभी तक नहीं मिली है। रविवार की सुबह वह अपने दोस्तों के साथ ग्वालियर जाने की कह कर चला गया था। दोपहर 12 बजे के बाद से उसका फोन बंद आ रहा था। रात भर उसकी तलाश की गई परंतु कहीं नहीं मिला। सुबह उसकी लाश बीहड़ में पेड़ पर लटकी हुई मिली, जिस पर से परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मामले की छानबीन कर रही है।

स्वरूप को भूल यथार्थ सेवा का दास्य रति भाव प्रभु को अति प्रिय : पंडित ब्रज भूषण

.....मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में 218 मरीज और 25 सेवक हुए उपस्थित

मुरैना,। रविवार को मेजर राम कुमार शर्मा परमार्थ न्यास में 218 मरीजों ने अपना परीक्षण करा के उपचार कराया, जिसमें दन्त रोग 66 स्व. जगदीश प्रसाद गुप्ता मेडिसिन कक्ष में 60 नाक कान गला 26. सर्जरी 18, अस्थि रोग 23 नेत्र रोग 26 अन्य । उक्त शिविर में विशेष रूप से निम्न कार्य सम्पादित किये गये । ब्लड प्रेसर की जाँच 17, ई.सी. जी 2. इंडियन डेन्टल एसोसिएशन के तहत तम्बाखू, बीड़ी, सिगरेट, शराब से ग्रसित मरीज 20 नशा छोड़ने का संकल्प लिया 30, फिजियोथेरेपी मशीन से उपचार 4, एम्स में पंजीयन, इसके अलावा स्व. अंकित जैन स्मृति दन्त चिकित्सा कक्ष मे दांत शल्य क्रिया 39, अल्ट्रासोनिक मशीन से पायरिया का इलाज 12, परमार्थ न्यास में आँखों की डिजिटल जांच की सुविधा स्व. प्रकाश शर्मा स्मृति कक्ष में प्रारम्भ हुई जिसमें आँखों की जाँच 16 एवं इलेक्ट्रिकल लैम्प के माध्यम से चश्मे का नम्बर प्रदान किये । निष्काम भाव से सेवकों ने सेवा की। डॉ. संजय शर्मा, डॉ. एस. के. गुप्ता, प्रदीप शर्मा, अनिता राठौर, सरिता, कस्तूरी, राजश्री, ममता, सुरेश महेश्वरी, भगवान शर्मा, संतोषीलाल, राम सहाय मुद्गल, रमेश बाऊजी, मयूर अग्रवाल, दीपू तोमर, मनीराम, लफुरी, रामलखन, प्रकाश, मदन, जितेंद्र, श्याम, प्रदीप, फारुख, अभिषेक आदि ने निश्शुल्क सेवाए प्रदान की। प्रत्येक रविवार की तरह सभी समाजसेवियों ने अपनी सेवाये परमार्थ न्यास में यथावत प्रदान की । भगवान स्वरूप में पधारे हुये सभी मरीजों ने अपना ईलाज कराया। आज परमार्थ न्यास में पंडित ब्रज भूषण पधारे आपने यहाँ पूजा में शामिल होकर मानस पाठ भक्तमाल कथा रामरक्षास्तोत्र पाठ का श्रवण किया तथा परमार्थ न्यास के सभी सेवकों द्वारा की जा रही निस्वार्थ सेवा का स्वरूप देखकर हृदय से प्रसन्नता प्रकट करते हुये कहा कि इस जगत को परमात्मा का साकार रूप समझकर इस प्रकार अपना जीवन यापन करना चाहिए कि वे प्रभु ही इस जगत के एकमात्र मालिक है और मैं उनका एक छोटा सा सेवक हूं। ऐसा विचार मन में जाग्रत हो कि हर हाल में परमात्मा के आदेशों का पालन करता हुआ अपना जीवन जिया जाये । इस संसार में आकर मनुष्य को मालिक समझने की भूल कदापि नहीं करना चाहिए। इसलिए कि इस जगत की एक-एक वस्तु ईश्वर की बनाई हुई है । ईश्वर ही इस प्रकृति के रचनाकर्ता है और उन्होंने ही इस प्रकृति की रचना की है तथा उस सामर्थ्यवान ईश्वर के हाथ में सभी कुछ है। इस संसार में किसी स्वार्थ व दिखावे के बगैर सभी में ईश्वर के अंश का दर्शन करना चाहिए। परमात्मा की सेवा में रहने का भाव रखकर समाज के असहाय, निर्धन और रोगी आदि की सहायता करते रहना चाहिए। यही उस परमात्मा की सच्ची सेवा कहलायेगी। फिर आप चाहे किसी भी अवस्था में सेवा कर सकते है सेवा या परोपकार अथवा कोई भी परमार्थ के लिये किया गया कर्म इन सब में मानव की कोई भी स्थिति हो सकती है। वह जहाँ है जिस हाल में जिस स्थिति में है सेवा कर सकता है बहुत से लोग कहते हैं मैं खुद से दुखी हूं, असाह हूँ, निर्धन हूँ, दुर्बल हूँ, मैं सेवा कैसे करूँ सेवा के बहुत से स्वरूप होते हैं सेवा सिर्फ समर्थवान लोग ही नहीं करते सेवा तो गिद्धराज जटायु ने भी की थी जो एक मानुष न होकर एक मांसाहारी पक्षी था इस प्रकार सेवा कोई भी कर सकता है सेवा करने वाले को अपने निजी दुख संकट परिस्थिति कोई असर नहीं करती इसी को निष्काम सेवा भी कहते हैं और इस प्रकार के मानव जो अपना दुख भूल कर जन मानस की सेवा में संलग्न रहते है वो ईश्वर को अति प्रिय होते हैं 'वह अपनर स्वरूप को भूलकर यथार्थ सेवा में दास भाव भाव रखते हुए जन मानस में रति भाव रखते है वे मानव प्रभु को अति प्रिय लगते हैं ।

नगर निगम को विकास के शिखर पर पहुंचाएगी भाजपा : मीना जाटव

-महापौर प्रत्याशी मीना मुकेश जाटव ने सुमावली विधानसभा के वार्डों में किया जनसंपर्क

मुरैना)। नगर निगम मुरैना का गठन होने के बाद बीते 7 साल में भाजपा की नगर सरकार ने सभी वार्डों में विकास कार्य कराये हैं । फिर से भाजपा की नगर सरकार बनने पर मुरैना नगर निगम में विकास की रफ्तार को शिखर तक ले जाने का प्रयास किया जायेगा । विकास से महरूम वार्डों में सड़क, पानी, सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं बेहतर बनाई जायेंगीं ।

भाजपा की महापौर प्रत्याशी श्रीमती मीना मुकेश जाटव ने शनिवार को सुमावली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नगर निगम के वार्ड 4, 5, 6 एवं 7 में मतदाताओं से संवाद के दौरान यह वादे किए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास विकास का कोई एजेण्डा नहीं है। बीते 70 साल में कांग्रेस मुरैना की सूरत नहीं बदल सकी। जबकि भाजपा की सरकार ने मुरैना को नगर निगम बनाकर मुरैना को महानगरों की श्रेणी में ला दिया है। श्रीमती जाटव ने जनसंपर्क के दौरान सभी वार्डों में मतदाताओं से घर-घर जाकर मुलाकात की और 13 जुलाई को भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। इस दौरान उनके साथ पार्षद प्रत्याशी श्रीमती सरस्वती राहुल, श्रीमती मिथलेश बल्लू यादव, कमला कमलेश पचौरी, डॉ. बेनीराम कुशवाह सहित पूर्व महापौर अशोक अर्गल, रामकुमार माहेश्वरी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष कमलेश कुशवाह, हमीर सिंह पटेल, रीना डण्डौतिया, दिनेश शर्मा पुर, मण्डल अध्यक्ष दिलीप मिश्रा, शैलेन्द्र श्रीवास, राहुल पचौरी, माधवप्रसाद, आकाश भदौरिया, राजू अन्नाना सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता भी थे ।

विवेकानंद ने पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति और अध्यात्म का गौरव बढाया हैः नरेश सिंह

स्वामी विवेकानंद की 120 वीं पुण्यतिथि पर मप्र शिक्षक संघ ने किया याद

मुरैना। युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर मप्र शिक्षक संघ ने श्रद्धांजलि अर्पित की। संभागीय अध्यक्ष डॉ नरेश सिंह सिकरवार के नेतृत्व में केएस चौराहे पर स्थापित विवेकानंद की प्रतिमा पर संगठन के पदाधिकारियों ने सफाई की, श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष डॉ नरेश सिंह सिकरवार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युग द्रष्टा थे। उन्होंने अपने तेजस्वी विचारों के जरिए पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति और अध्यात्म का गौरव बढाया। स्वामी विवेकानंद का विचार था कि शिक्षा का लक्ष्य मनुष्य निर्माण होना चाहिए। जो छात्रों के व्यक्तित्व का संतुलित विकास करते हुए जीवन की बाधाओं का समाधान करना सिखा सके। युवाओं के लिए आज भी उनके विचार प्रासंगिक है। शिक्षक छात्रों को स्वामी विवेकानंद की जीवन दर्शन से अवगत कराएं। छात्रों में नैतिक मूल्य और चारित्रिक गुणों के विकास पर बल देना चाहिए, जिससे छात्र शिक्षा के साथ उच्च आदर्शो को आत्मसात कर राष्ट्रभक्त नागरिक बने। स्वामी विवेकानंद ने हमें बताया कि हमें अपनी संस्कृति पर गर्व करना चाहिए। समाजसेवी विमलेश यादव ने कहा कि दुनिया भर को भारत की आध्यात्मिक शक्ति को पुनः स्मरण करवाने वाले स्वामी विवेकानंद ने लगभग सवा सौ साल पहले समाज को जागृत करने का बीड़ा उठाया था। लेकिन आज के दौर में भी उनके विचार लोगों को प्रेरित कर रहे है। हमारी युवा पीढ़ी स्वामी जी के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र के प्रति समर्पित होकर काम करे। पश्चिमी सभ्यता से प्रभावित न होकर भारतीय संस्कृति पर गर्व करेंगे। तब भारत को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता। इसके लिए युवाओ में जागृति आना जरूरी है। इस अवसर पर प्रमुखरूप से विमलेश यादव, सतंजय मिश्रा, जगदीश शर्मा, रामबरन सिंह, रामअवतार सिंह, प्रदीप शर्मा, नारायण लाल, रघुराज परमार, डॉ हरेंद्र तोमर मौजूद रहे।

स्वावलंबी भारत अभियान को लेकर ग्वालियर हजीरा चौराहे पर स्वदेशी जागरण मंच का जन जागरण

महेन्द्र शर्मा रिपोर्टर ग्वालियर संभाग

ग्वालियर। स्वदेशी जागरण मंच जिला ग्वालियर मध्य भारत प्रांत द्वारा स्वावलंबी भारत अभियान को लेकर ग्वालियर हजीरा चौराहे पर जन जागरण किया गया है तथा 100 से अधिक दुकानदारों का समर्थन स्वावलंबी अभियान को प्राप्त हुआ एवं देवेश थापक जिला संयोजक के नेतृत्व में विदेशी पेय पदार्थ का विरोध किया गया। जिसमें प्रांत सह संयोजक श्री राकेश जी, प्रांत संपर्क प्रमुख श्री हरेंद्र जी जिला विचार प्रमुख श्री लोकेंद्र जी , श्री सत्येंद्र जी पत्रिका प्रमुख श्री सुनील जी जिला महिला प्रमुख प्रियंका जी एवं जिला विचार प्रमुख दीपा जी एवं जिले के कार्यकर्ता गण सम्मिलित हुए।

वार्ड के विकास के लिए भाजपा को वोट दें-अनूप मिश्रा

संतोष सिंह भदौरिया पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर /भाजपा महापौर प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा जी एवं वार्ड 18 की प्रत्याशी रेखा त्रिपाठी जीके समर्थन में आज शताब्दी पुरम डॉ. कुलदीप चतुर्वेदी के निवास पर बैठक को संबोधित करते हुए म.प्र. सरकार के पूर्व मंत्री एवं पूर्व सांसद परम आदरणीय श्री अनूप मिश्रा जी ने क्षेत्रवासियों से कहा वार्ड 18 के आदित्यपुरम, डी डी नगर, शताब्दीपुरम में विकास कार्य किए हैं। शेष विकास कार्यों को भी जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा लेकिन ग्वालियर के विकास एवं वार्ड 18 के विकास के लिए 6 जुलाई को अपना मत एवं सहयोग भाजपा प्रत्याशियों को प्रदान करें। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. कुलदीप चतुर्वेदी जी , भाजपा प्रभारी आदरणीय नरेश कटारे जी, विजय शर्मा जी , पं. हेमराज शर्मा जी, म.प्र. विप्र सेना के अध्यक्ष सुजीत शर्मा जी, हरिओम दीक्षित जी,जुगल किशोर गुर्जर जी,सतपाल सिंह भदौरिया जी,अवधेश पाठक जी,संजय सिंह तोमर, अजय सिंह भदौरिया, राघवेंद्र सिंह भदौरिया, वरुणदेव शर्मा एडवोकेट, महेश शर्मा जी, डी. के. शर्मा जी,मंगल सिंह तोमर जी, रघुवीर राजोरिया जी, प्रतीक मिश्रा जी,पूर्व पार्षद जबर सिंह जी, रणविजय सिंह जी,सर्व ब्राह्मण अध्यक्ष डॉ सी.बी. शर्मा जी, डॉ सुनील तोमर जी,अनिल जोशी जी एवं वार्ड 18 की प्रत्याशी रेखा त्रिपाठी जी सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपलब्ध रहे।

व्यापारियों का भारतीय जनता पार्टी ने कारोबार चौपट कर दिया डॉ. शोभा सिकरवार

महापौर प्रत्याशी ने जनसंपर्क कर बैठके ली

ग्वालियर। कांग्रेश की महापौर पद की उम्मीदवार डॉ. श्रीमती शोभा सिकरवार ने कहा है कि भाजपा आम जनता पर करो का भोज लाद दिया हे। और जीएसटी लगाकर व्यापारियों का कारोबार चौपट करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने ना तो कर्मचारियों का भला किया है, और ना ही शहर का विकास किया है झुठ बोलने वाली भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा लोगों को छला है। मैं आपकी बेटी हूं बहूं हूं आप ग्वालियर के चहुमुखी विकास के लिए मुझे एवं कांग्रेसी पार्षद प्रत्याशियों को विजयश्री दिलाने के लिए आशीर्वाद दें

कांग्रेश महापौर पद की उम्मीदवार डॉ. शोभा सिकरवार ने आज वार्ड 24 में जनसंपर्क कर मतदाताओं से चर्चा करते हुए कहा कि शहर के विकास व प्रगति के लिए कांग्रेस को वोट दें। हम विश्वास दिलाते हैं कि जन भावनाओं के अनुरूप विकास को गति देंगे। इस दौरान क्षेत्रीय जनता ने पुष्पहार पहनाकर जोरदार स्वागत किया इसके अलावा अनेक स्थानों पर बैठकों में शामिल हुई इसके अलावा विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने अनेक वार्डों में जगह जगह बैठके ली उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आव्हान किया कि वह अपने-अपने मतदान केंद्रों पर मजबूती के साथ डटे रहे जब तक ईवीएम मशीन स्ट्रांग रूम में ना पहुंच जाएं तब तक पोलिंग पार्टी के साथ रहे।

ग्राम बिलरई में अवैध अतिक्रमण के संबंध में राजस्व एवं पुलिस बल द्वारा की गई कार्यवाही

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- तहसील पिछोर के ग्राम बिलरई में अवैध अतिक्रमण के संबंध में राजस्व एवं पुलिस बल द्वारा कार्यवाही कर शासकीय भूमि सर्वे नं. 33 रकबा 0.11 हे0 में से लगभग 2000 वर्ग फीट से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।

श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह परमार निवासी ग्राम बिलरई तहसील पिछोर द्वारा ग्राम बिलरई स्थित शासकीय भूमि सर्वे नं. 33 रकबा 0.11 हे. में से लगभग 2000 वर्ग फीट पर बिना अनुमति पक्का भवन निर्माण कर शासकीय भूमि का दुरुपयोग किया गया हैं। उक्त संबंध में ग्राम पंचायत द्वारा संबंधित को शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के संबंध में सूचना भी दी गई। इसके उपरांत भी अतिक्रामक द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया गया। जिसके तहत ग्राम बिलरई तहसील पिछोर में राजस्व एवं पुलिस के संयुक्त दल द्वारा ग्राम बिलाई स्थित शासकीय भूमि सर्वे नं. 33 रकबा 0.11 हे. में से अतिक्रामक श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र द्वारा लगभग 2000 वर्ग फीट पर किये गये पक्के निर्माण को नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट सुश्री ज्योति लाक्षाकार के निर्देशन में हटाकर शासकीय भूमि को मुक्त कराया गया। उल्लेखनीय है कि तहसील पिछोर के ग्राम बिलरई में पंचायत निर्वाचन 2022 द्वितीय चरण का मतदान संपन्न हुआ। मतदान प्रक्रिया एवं मतगणना के दौरान ग्राम के निवासी श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह परमार द्वारा मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया में भी अवरोध उत्पन्न कर अन्य सहभागीदारों के साथ पीठासीन अधिकारी, कर्मचारियों के साथ अभद्रता की गई थी एवं ड्यूटीकृत अधिकारियों एवं पुलिस बल पर भी पथराव किया गया था।

अवैधमादकपदार्थ के खिलाफग्वालियरपुलिस की प्रभावीकार्यवाही

ग्वालियर पुलिस ने एक महिला तस्कर के पास से 14 किलो ग्राम गांजा कीमती 02 लाख 80 हजार रूपये का किया बरामद

ग्वालियर। नगरीय निकाय चुनाव को दृष्टिगत रखतेहुए ग्वालियरपुलिस द्वारापुलिसअधीक्षकग्वालियरश्रीअमित सांघी(भापुसे) के निर्देशपरजिलेमेंअवैधमादकपदार्थोंव अवैध हथियारोंकी खरीद-फरोख्त करनेवालों के विरूद्ध लगातारप्रभावीकार्यवाही की जारहीहै।दिनांक03.07.2022कोपुलिस अधीक्षकग्वालियरकोजरिए मुखबिरसूचनाप्राप्तहुईकिएक संदिग्ध महिलागांजाबैचने के लियेसातनम्बरचौराहा के पास खड़ीहुईहैं।उक्तसूचनापरसेपुलिस अधीक्षकग्वालियर ने अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (पूर्व/अपराध) श्रीराजेशडण्डोतियाकोथानामुरारकीपुलिसटीमकोसूचनाकीतस्दीककरगांजातस्करमहिलाकोपकड़नेहेतुनिर्देषकियागया।अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (पूर्व/अपराध) द्वारागांजातस्करकोपकड़े के लियेथानामुरारकीपुलिसटीमकोलगाया। वरिष्ठअधिकारियों द्वारादियेगयेनिर्देशानुसारसीएसपीमुरार ऋषिकेषमीणा,भापुसे के मार्गदर्शनमेंथानाप्रभारीमुरारनिरीक्षक शैलेन्द्रभार्गव के नेतृत्वमेंपुलिसटीमकोमुखबिर केबतायेगयेस्थानसातनम्बरचौराहा के पाससूचनाकीतस्दीककरकार्यवाहीकरनेहेतुभेजागया।पुलिसटीमकोमुखबिर के बतायेस्थानपरएक संदिग्ध महिलाहाथमेंबैगलियेहुए दिखाईदी,पुलिसको देखकरउक्तसंदिग्ध महिला ने भागनेकाप्रयासकिया।जिसेटीममेंमौजूदमहिलापुलिसबल द्वारा घेरांबदीकरपकड़लियागया।पकड़ीगईमहिला ने पूछताछमेंअपनेआपकोसीतारामपुरअमडीहा बर्धमान(पष्चिम बंगाल) कारहनेवालाबताया।पुलिसटीम द्वाराजबमहिला के पासमिलेबैग की तलाषीलीगईतोउसमेंगांजाभराहुआपायागया।तौलकरनेपर 14किलोग्रामगांजाकीमतीलगभग 02 लाख 80 हजार रूपयेकासंदिग्ध के पाससेविधिवत् जप्तकियागयातथा1500/-रूपयेनगद, एक ओप्पोकम्पनीकामोबाइल, पेनकार्ड, आधारकार्डभीजप्तकियेगये।पकडीगईगांजातस्कर ने पूछताछमेंबतायाकिवहट्रेनसेरेल्वेस्टेषनपरउतरीथीलेकिनरेल्वेस्टेषनपरपुलिसकीचैकिंगको देखकरपकड़ेजाने के डरसेवहांसेभागनिकली।थानामुरारमेंपकड़ीगईगांजातस्कर के खिलाफअप0क्र0 610/22 धारा 8/20 एनडीपीएसकाप्रकरणापंजीबद्ध करविवचेनामेंलियागयाहै।पकड़ीगईगांजातस्करसेपुलिसटीमद्वारागांजे के संबंध मेंपूछताछकी जारहीहै।ग्वालियरपुलिसद्वाराअवैध मादकपदार्थ के खिलाफजीरोटोलरेंसनीति के तहतप्रभावीकार्यवाही की जारहीहै।

जप्तमशरूका:- 14 किलोग्रामगांजाकीमतीलगभग 02 लाख 80 हजार रूपये, 1500/-रूपयेनगद, एक ओप्पोकम्पनीकामोबाइल, पेनकार्ड, आधारकार्ड, जप्तकुलमषरूका 3,01,500/-रूपये।

सराहनीय भूमिका:- उक्तकार्यवाहीमेंथानाप्रभारीमुरारनिरीक्षक शैलेन्द्रभार्गव, उनि0 सुमित्रा तिग्गा, आरक्षक योगेन्द्रगुर्जर, नीरज यादव, म.आर. भारतीलोधी, यासमीनबानो, आरपीएफग्वालियरटीम-सउनिहसनमोहम्मद,प्र.आर. दीपेन्द्रसिंहभदौरिया,आर. राजकुमार सिंह तोमर, शकील खांन, दीपकगुप्ता, म.आर. भावनामोदीकीसराहनीय भूमिकारही।

39वां पुण्य स्मरण, 5 जुलाई 2022
स्वतंत्रता संग्राम के महान नायक हरिकृष्ण सिंह स्वदेश नाम से ही जिन्हें था विशेष प्रेम

रघुवर दयाल गोहिया

भोपाल/सीहोर। सीहोर नगर में अनेक महान विभूतियों ने जन्म लेकर यहां की पावन धरा को कृतार्थ किया है। उन्ही में से एक हैं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, वरिष्ठ पत्रकार और विधायक रहे स्व. हरिकृष्ण सिंह जिन्हें लोग

सम्मान के साथ दद्दा या मंत्रीजी के नाम से भी जानते हैं। उनका पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित था। स्वदेश नाम से ही उन्हें इतना प्रेम था कि उन्होंने अपने आराकस मोहल्ला स्थित निवास के ऊपर सीमेंट से *स्वदेश भवन* लिखवा रखा था। इसके अलावा उनके

द्वारा प्रकाशित *साप्ताहिक सीहोर टाइम्स* के पूर्व स्वदेश नाम से ही उन्होंने घोषणा पत्र दिया था। वह अपने अंतिम समय तक स्वदेशी खादी का कुरता, पायजामा, बंडी, बनियान और गांधी टोपी पहनते रहे। जब वह चूड़ीदार पायजामा, कुरता और शेरवानी पहनने के बाद खादी की सफेद टोपी लगा लेते थे तो स्थानीय लोगों को उनमें प्रधानमंत्री स्व. पंडित जवाहरलाल नेहरू की छबि नजर आती थी। वह वर्षों तक आर्य समाज के मंत्री रहे इस कारण उन्हें मंत्री जी भी कहा जाता था। सन 1934 से 1940 तक सीहोर में आर्य समाज की गतिविधियां अपने चरम पर रहीं जिसमें दद्दा का बड़ा योगदान रहा। उन्होंने जन सहयोग से आर्य कन्या शाला का संचालन भी किया जो एक बड़ी उपलब्धि थी। देश प्रेम का जज्बा उनमें कूट कूट कर भरा हुआ था। अपने विवाह की मंगल ध्वनियों के बीच सन 1940 में राष्ट्र के लिए सत्याग्रह और फिर 5 माह का कारावास..! यह एक ऐसी परीक्षा थी जिसमें कर्तव्य और भावना का अंतर्द्वंद समाहित था। सन 1941 में असामाजिक तत्वों के जान लेवा हमले को सहकर भी प्रजा मंडल के शीर्ष पदों पर रहते हुए कार्य करना और भोपाल राज्य की नवाब शाही से टकराना आपकी दृढ़ता और संकल्पित विचार धारा का स्पष्ट उदाहरण है। नवाब शाही के खिलाफ आंदोलन के दौरान सन 1949 में आप पहले ऐसे व्यक्ति थे जिसे जेल में बंदी बनाया गया था। हरिकृष्ण सिंहजी सन 1952 से 1967 मप्र विधानसभा के निर्वाचित सदस्य रहे और कांग्रेस विधायक दल के सचेतक के रूप में अविस्मरणीय कार्य किया। वे कई वर्षों तक जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भी रहे। नवीन मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल का चयन कराने में भी आपका उल्लेखनीय योगदान रहा। उन दिनों आपके नेतृत्व में ही जन प्रतिनिधियों ने राष्ट्र नायक प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से भेंट की थी। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री प्रकाश चंद्र सेठी के शासन काल में स्वतंत्रता की रजत जयंती पर आपका समारोह पूर्वक आत्मीय अभिनंदन किया गया था। इसके अलावा 20 जून 1981 को स्थानीय अमर ज्योति क्लब द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में भी आपका नागरिक अभिनंदन किया गया था। वह अपनी सादगी के लिए भी सबसे अधिक पहचाने जाते थे। नेहरूजी, इंदिराजी, डॉक्टर शंकर दयाल शर्माजी, प्रकाश चंद्र सेठी, अर्जुन सिंह, अजीत जोगी आदि से उनके घनिष्ठ संबंध थे। इसके बाद भी घमंड ने उन्हें छुआ तक नहीं था। इतने उच्च पदों पर रहते हुए भी वे नगर में अपनी सायकल से अखबार और पत्रिकाओं का वितरण करते थे। नगर के बद्री महल स्थित एक कमरे में जब जिला कांग्रेस का कार्यालय हुआ करता था तब वे जिला अध्यक्ष थे। इसके बावजूद उस कमरे की साफ सफाई खुद ही किया करते थे। उनकी सादगी, आदर्श, सिद्धांत, देश और कांग्रेस के प्रति उनका समपर्ण एक मिसाल है। स्व. दद्दा को उनकी 39वीं पुण्य तिथि पर सादर नमन...! विनम्र श्रद्धांजलि यह चित्र अंबादत्त भारतीय स्मृति संग्रहालय एवं शोध संस्थान के संग्रह से लिया गया है जिसमें एक तरफ मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्व. श्री उमराव सिंह, बीच में डॉक्टर स्व. श्री शंकर दयाल शर्मा और स्व. श्री हरिकृष्ण सिंह दिखाई दे रहे हैं।

हैदराबाद में भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के सम्मान में उमड़ा जन सैलाब

पुष्पाजंली टुडे

हैदराबाद –भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया का हैदराबाद में शुक्रवार को स्वागत अभिनंदन किया गया

।समारोह भाजपा के युवा नेता सुनील कुमार सीरवी के नेतृत्व में किया गया । जिसमें भारी तादात में राजस्थान के लोगों ने भारी तादाद में पहुंच कर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राज का शाल ओढ़ाकर व गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया 7 वसुंधरा राजे का हैदराबाद में इस स्वागत से अभिभूत होकर कहा कि इन फूलों की महक राजस्थान तक पहुंचेगी । आने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने का विश्वास दिलाया ।प्रधान संयोजक युवा भाजपा नेता सुनिल सीरवी ने बताया कि तेलंगाना की पावन भूमि पर अबकी बार भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुन्धरा राजे सिंधिया का भव्य सम्मान अभिनन्दन सामारोह आयोजित किया गया। शमशाबाद एयरपोर्ट से विशेष कारों के काफिले से सिंधिया को क्लासिक कन्वेंशन थ्री हॉल तक लाया गया। जहाँ पर प्रवासी बन्धुओं ने स्वागत हॉल के बाहर अजमेर पुष्कर से विशेषरूप से मंगाये गये गुलाब फूलों से बरसात कर,सोयल परिवार ने मंगलगानकर तिलक लगाया, श्रीफल भेंटकर तेलंगाना की पावन धरा अबकी बार भाजपा सरकार की मंगलमय कामना कर भव्य सम्मान किया । इस कार्यक्रम में मुख्य भूमिका निभाते हुए सुनील कुमार सीरवी , शंकर सिंह राजपुरोहित और सीरवी समाज के पंच पटेल गन वह अन्य समाज के पंचगन उपस्थित थे ।

सांस्कृतिक सामारोह में महेंद्र मुणोत ने प्रतिभागियों को किया उत्साहवर्धन

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरु– सोमवार दिनांक 4 जुलाई 22 को नगर कल्चरल एसोसिएशन के सभागार में आयोजित

सांस्कृतिक समारोह का आयोजन हुआ ।जिसमें मुख्य अतिथि रूप में विजयनगर मारूति मेडीकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए धन्यवाद दिया । इस अवसर पर कल्चरल एसोसिएशन के पदाधिकारीओं ने महेंद्र मुणोत को धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया

व्यक्ति को अपने मत का सही उपयोग अवश्य करना चाहिए: पत्रकार उमाकान्त शर्मा

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। चुनाव प्रक्रिया में व्यक्ति अपने मत का उपयोग करके अपने गांव तहसील जिला संभाग प्रदेश और देश की व्यवस्था में अपना योगदान देकर एक अच्छे व्यक्ति का चुनाव कर सकता है।वैसे तो संसार में अनेक प्रकार की शासन-व्यवस्थाएं प्रचलित है। उनमें लोकतंत्र या जनतंत्र एक ऐसी शासन-व्यवस्था का नाम है, जिसमें जनता के हित के लिए, जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि ही सारी व्यवस्था का संचालन किया करते हैं। इसी कारण जिन देशों में इस प्रकार की सरकारों की व्यवस्था है, राजनीतिक शब्दावली में उन्हें लोक-कल्याणकारी राज्य और सरकार कहा जाता है। यदि लोक या जनता द्वारा निर्वाचित सरकार लोक-कल्याण के कार्य नहीं करती, तो उसे अधिक से अधिक

पांच वर्षों के बाद बदला भी जा सकता है। पाँच वर्षों में एक बार चुनाव कराना लोकतंत्र की पहली और आवश्यक शर्त है। चुनाव में प्रत्येक बालिग अपनी इच्छानुसार अपने मत (वोट) का प्रयोग करके इच्छित व्यक्ति को जिता और अनिच्छित को पराजित करके सत्ता से हटा सकता है। इस प्रकार लोकतंत्र में मतदान और चुनाव का अधिकार होने के कारण प्रत्येक नागरिक परोक्ष रूप से सत्ता और शासन के संचालन में भागीदारी भी निभाया करता है। इन्हीं तथ्यों के आलोक में 'लोकतंत्र में चुनाव का महत्त्व' रेखांकित किया जाता है और जा सकता है। यहाँ भी इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखकर विवेचन किया गया है।

लोकतंत्र में अब प्रायः सारी राजनीतिक गतिविधियां वोटों के गणित पर ही आधारित होकर संचालित होने लगी हैं। लोकहित की बात पीछे छूट गई है। अब अक्सर चतुर-चालाक राजनीतिज्ञ जनता का मत चुनाव के अवसर पर पाने के लिए अनेक प्रकार के सब्जबाग दिखाया करते हैं। जनता को तरह-तरह के आश्वासन और झांसे भी दिया करते हैं। अब यह मतदाता पर निर्भर करता है कि वह उनके सफेद झांसे में आता है कि नहीं, इसे इस परम्परा की एक सीमा भी कहा जा सकता है। फिर भी निश्चय ही आज का मतदाता बड़ा ही जागरूक, सजग और सावधान है। वह लोकतंत्र और चुनाव दोनों का अर्थ और महत्त्व भली प्रकार समझता है। अतः चुनाव के अवसर पर वह सही व्यक्ति को वोट देकर लोकतंत्र की रक्षा तो कर ही सकता है। उसके जनहित में, विकास में भी सहायता पहुँचा सकता है। अतः चुनाव के समय की घोषणाओं को ही उसे सामने नहीं रखना चाहिए, बल्कि नीर-क्षीर विवेक से काम लेकर उपयुक्त, ईमानदार और जनहित के लिए प्रतिबद्ध व्यक्ति के पक्ष में ही मतदान करना चाहिए तभी सच्चे अर्थों में वास्तविक लोकतंत्र की रक्षा सम्भव हो सकती है।

गठबंधन का महत्व: सदियों से चली आ रही परंपराओं में एक परंपरा उम्र के रहते शादी की है।

विवाह दो रूहों का मिलन है दो परिवारों का आपसी स्नेह है, और संसार रथ को चलाने वाली संस्था है। माना कि परिवर्तन संसार का नियम है,, पर आधुनिकता के नाम पर आजकल समाज में जो चल रहा है उसे बंधन नहीं व्यभिचार का नाम देना चाहिए। आजकल की पीढ़ी शादी के बंधन को शायद बोझ समझ रही है। या ज़िम्मेदारी से भाग रही है, कुछ कह नहीं सकते। पर ये जो लिव इन रिलेशनशिप वाला नया नाटक चल रहा है, उस प्रथा ने विवाह जैसे पवित्र बंधन की धज्जियां उड़ा रखी है। या तो करियर बनाने के चक्कर में शादी को टालना जैसे फैशन बन गया है। शादी का महत्व संसार को धर्मानुसार संतान उत्पत्ति कर संसार मे मानव जाति को आगे बढ़ाना है। विवाह से मानव समाज का विकास होता है। विवाह हिन्दू समाज में एक संस्था है,

हर धर्म और संप्रदाय में विवाह प्रासंगिक है। अगर विवाह न हो तो समाज में व्यभिचार फैलेगा। निश्चित रूप से हर चीज़ में बदलाव पाया जाता है। माना कि वर्तमान की युवा पीढ़ी केरियर ओरिएंटेड हो गई है, सबसे पहले वह अपने कैरियर को प्राथमिकता देते है। पैरों पर खड़ा रहना चाहते है। प्रतियोगिता के ज़माने में वैश्विक बदलाव में टिकने के लिए जद्दोजहद करते विवाह को टाल जाते है। अर्थोपार्जन की कठिनाइयों से जूझते विवाह की महत्ता भूल जाते है।

विवाह दो व्यक्तियों के मध्य ही नही बल्कि दो परिवारों को भी अटूट बंधन में बाँधता है। विवाह उपरांत जीवन भर पति-पत्नी को साथ रहना हैं। सांसारिक मान्यताओं के अनुसार यह सात जन्मों का बंधन कहलाता है।

पर आजकल के लड़के लड़कियां बिना शादी किए लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगते है। जो हर तरह से अनुचित है। ऐसे रिश्ते का न कोई नाम होता है न उम्र, कब एक दूसरे से जी भर जाए और कब रिश्ता ख़त्म हो जाए कुछ कह नहीं सकते। शादी दो लोगों को जोड़े रखती है जिम्मेदारी और बंधन से रिश्ता नभता है।

अगर साथ ही रहना है तो रस्मों रिवाज़ और मान्यता पा कर रहो। प्रेम विवाह भी गलत नहीं दो संस्कृति का एक होना सामाजिक समरसता का प्रतीक है।परंतु एक दूसरे की संस्कृति को अपनाकर दो परिवारों के संस्कारों को आदर के साथ अपनाना होता है। सिर्फ दो लोगों के मिलने से ही इतिश्री नही हो जाती है। दो परिवारों का जुड़ना भी जरूरी होता है।।आज की युवा पीढ़ी दिलो के जज्बातों को ही महत्व देती हैं। वह आधुनिकता की होड़ में धर्म और विवाह से दूरी बनाते रिश्तों की अहमियत प्रासंगिकता को समझे बिना स्वैच्छिक जीवन बिताना चाहते है। पर समाज के नियमों के विरुद्ध किसी निष्कर्ष पर पहुँचना समझदारी नहीं।

पोहरी में वार्ड क्रमांक 11 मैं भाजपा के प्रत्याशी शुभम मुदगल ने किया जोरदार जनसंपर्क

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

अरूण खंगार पोहरी 7024485133

पोहरी नगर में पहली बार पार्षद का चुनाव हो रहा है जिसको लेकर पार्टी के भाजपा मंडल उपाध्यक्ष युवा नेता शुभम मुदगल को भाजपा पार्टी के द्वारा टिकट दिया गया है जिसके

लिए वह है आज सुबह से जनसम्पर्क के लिए निकले परन्तु लोगो का अपार समर्थन उनको मिल रहा है इसलिए यह लग रहा है की उनकी जीत सुनिश्चित है कई निर्दलीय प्रत्याशी भी और कांग्रेस के प्रत्याशी भी खड़े हुए है जब उनका जनसंपर्क देखकर निर्दलीय और कांग्रेसी प्रत्याशी के पैर तले जमीन निकल गई उनको भी ऐसा लग रहा है कि अब हमें भी भाजपा के प्रत्याशी को समर्थन दे देना

उदयपुर में कन्हैया लाल की निर्मम हत्या के विरोध मे करणी सेना का प्रदर्शन

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

गाजियाबाद। करणी सेना ने उदयपुर में कन्हैया लाल की निर्मम हत्या करने वाले दोषियों को मृत्यु दण्ड देने के लिए अपना विरोध प्रदर्शन किया।करणी सेना का कहना है की देश में इस तरह की घटनाएं अब आम होने लगी है।जिहादी मानसिकता वाले लोग धर्म के नाम पर आए दिन ऐसी घटनाओं को अंजाम देते है।और कानून की तरफ से कोई सख्त कार्यवाही न होने के कारण आज इन लोगो के हौसले बढ़ते जा रहे है।हिंदू जो शांति प्रिय है और सौहार्द के साथ समाज में जीना चाहता है वो इस तरह की घटनाओं के बाद अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहा है। करणी सेना ने राजस्थान सरकार की कार्यशैली पर भी आपत्ति व्यक्त की है।पिछले कुछ दिनों से राजस्थान में इस तरह की घटना आम हो गई है।और अशोक गहलौत सरकार का उदासीन व्यवहार जिहादियों के हौसले बुलंद कर रहा है जिसका असर अब पूरे देश पर पड़ रहा है। करणी सेना ने अपना विरोध डीएम ऑफिस के बाहर अशोक गहलौत का पुतला फूक कर और करणी सेना की यही पुकार,जिहादी मानसिकता नही स्वीकार जैसे नारे लगा कर किया। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का कहना की अब

समय आ गया है की सरकार ऐसी मानसिकता वाले लोगो पर शक्ति के साथ कार्यवाही करे जिससे जिहादियों में कानून का डर पैदा हो और हिंदू अपने को सुरक्षित महसूस करे।अगर अब भी सरकार सख्ती के साथ कार्यवाही नही करेगी तो हिंदू आने वाले समय में अपनी जान बचाने के लिए विरोध करने पर मजबूर हो जायेगा। करणी सेना ने डीएम को ज्ञापन देकर माननीय प्रधान मंत्री से निवेदन किया की कन्हैया के दोषियों को फांसी की सजा जल्द से जल्द दी जाए।और देश में शांति का माहोल बनाया जाए।

आज के विरोध मे करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ संदीप सिंघल जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विवेक तोमर, प्रदेश अध्यक्ष शेखर चौहान जी,जिला अध्यक्ष गौरव शर्मा, जिला अध्यक्ष विवेक गर्ग व्यापार शक्ति,आयुष चौहान महानगर अध्यक्ष,रीना चौहान महिला शक्ति जिला अध्यक्ष, जिला महामंत्री नीता सिंह,श्रृंखला गौतम,खुशहाल सिंह, निशित

रावल कार्यकारिणी अध्यक्ष,संगठन महामंत्री कुलदीप ठाकुर,मोहित चौधरी,सोनू राजपूत,रविंद्र आर्य,प्रणव श्रीवास्तव,आशुतोष जी,मोहित परिहार,जय सिसोदिया,रौनक यादव,निशांत वर्मा,हेमंत तवर,राकेश सिंह राज शर्मा जिला अध्यक्ष करणी सेना गाज़ियाबाद,बबली कसाना प्रदेश महा मन्त्री,मनोज चौधरी ,दिनेश पाल महानगर अध्यक्ष,राहुल पाल,सुरेन्द्र शर्मा,सौरभ शर्मा,बादल कुमार,अनुज़ राणा,दानेश मिश्रा,रामबीर सिंह,विनय,पियूष सिंघल ,राम भरोसे तिवारी,प्रदीप पुंडीर,संजय,रीता देओल , रजनी तोमर,वर्षा हजेला, राजरानी राघव, कृष्णा कुमारी,कामाक्षी,त्रिपाठी,मालविका,पिंकी तिवारी, माला सिंह,सिंपी राज, सरिता चौहान,सविता चौहान, पुष्पा , बिनीता सिंह, सुदेश देवी, रुपा रानी, सीमा त्यागी, रीना यादव,मुन्नी,शशि तिवारी मौजूद रहे।

नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2022

जिले के नगरीय निकायों में चुनावी शोरगुल थमा, मतदान सामग्री लेकर 5 जुलाई को रवाना होंगे दल

ग्वालियर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नगरीय निकाय आम निर्वाचन कार्यक्रम के तहत जिले में चुनावी प्रचार का शोरगुल सोमवार 04 जुलाई को शाम 5 बजे थम गया। निर्धारित कार्यक्रम के तहत जिले के नगरीय निकायों में 06 जुलाई को प्रातः 7 बजे से सायंकाल 5 बजे तक वोट डाले जायेंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिले के मतदाताओं से निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की है। उन्होंने भरोसा दिलाया है कि मतदान दिवस पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे।

नगरीय निकायों के चुनाव के लिए मतदान सामग्री वितरण की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। मतदान दलों को 5 जुलाई को प्रातःकाल से ईवीएम सहित मतदान सामग्री वितरित कर विशेष वाहनों द्वारा संबंधित मतदान केन्द्रों के लिये रवाना किया जायेगा।

ग्वालियर नगर पालिक निगम के सभी मतदान केन्द्रों के लिए मतदान सामग्री का वितरण शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय ग्वालियर से किया जायेगा। इसी तरह नगर पालिका डबरा के मतदान दलों को नवीन कृषि उपज मंडी परिसर डबरा, नगर परिषद पिछोर के मतदान दलों को शासकीय बालक उमावि पिछोर, नगर परिषद बिलौआ के मतदान दलों को शासकीय जवाहर उमावि बिलौआ, नगर परिषद भितरवार के मतदान दलों को शासकीय उत्कृष्ट उमावि भितरवार, नगर परिषद आंतरी के मतदान दलों को अशासकीय बापू. उमावि आंतरी और नगर परिषद मोहना के मतदान दलों को अशासकीय सेन्ट एंथोनी स्कूल मोहना से मतदान सामग्री वितरित की जायेगी। यहीं से विशेष वाहनों द्वारा अपने - अपने मतदान केन्द्रों के लिए रवाना होंगे। मतदान दलों के साथ सुरक्षा बल भी सभी मतदान केन्द्रों पर पहुँचेंगे। मतदान सम्पन्न होने के बाद इन्हीं केन्द्रों पर मतदान सामग्री जमा की जायेगी और ईवीएम को कड़ी सुरक्षा के बीच सील बंद स्ट्रांग रूम में रखा जायेगा।

चुनावी शोरगुल थमने के बाद कोई भी राजनैतिक दल / प्रत्याशी या समूह के लोग एकत्रित होकर कोई जुलूस, जनसम्पर्क या रैली नहीं निकाल सकेंगे। साथ ही चलचित्र, टेलीविजन व अन्य माध्यमों द्वारा जनता के समक्ष चुनाव संबंधी सचित्र प्रचार-प्रसार नहीं कर सकेंगे। इसी तरह संगीत या नाट्य, अभिनय या अन्य कोई आमोद-प्रमोद के जरिए मतदाताओं को लुभाने के प्रयास नहीं किए जा सकेंगे। यदि कोई इस आदेश का उल्लंघन करेगा तो उसे सजा और जुर्माना भुगतना होगा।

सभी 1421 मतदान केन्द्रों तक पहुँचने के लिये 189 रूट

ग्वालियर नगर निगम सहित जिले के सभी 7 नगरीय निकायों में स्थित 1421 मतदान केन्द्रों तक पहुँचने के लिये 189 रूट निर्धारित किए गए हैं। सभी मतदान केन्द्रों तक मतदान दलों को पहुँचाने में रिजर्व वाहनों सहित कुल 189 चार पहिया वाहन उपयोग में लाए जायेंगे। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर रिजर्व वाहन भी उपलब्ध रहेंगे। इनमें 152 बड़ी बसें व 37 मिनी बस शामिल हैं।

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर निगम ग्वालियर के अंतर्गत 1169 मतदान केन्द्र हैं। इन मतदान केन्द्रों तक मतदान दलों को पहुँचाने के लिये 132 रूट निर्धारित किए गए हैं। इसी प्रकार नगर पालिका डबरा में 165 मतदान केन्द्रों तक मतदान दलों को पहुँचाने के लिये 40 रूट, नगर परिषद आंतरी, बिलौआ व पिछोर के 15 - 15 मतदान केन्द्रों के लिए 3 - 3 रूट, नगर परिषद भितरवार के 22 मतदान केन्द्रों और नगर परिषद मोहना के 20 मतदान केन्द्रों तक मतदान दलों को पहुँचाने के लिये 4 - 4 रूट बनाए गए हैं।

ये भी पहुँचेंगे मतदान केन्द्रों पर

जिले के सभी नगरीय निकायों में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न कराने के मकसद से सेक्टर अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों 98 मोबाइल टीम भी सतत रूप से मतदान केन्द्रों तक पहुँचेंगी। इसके अलावा आचार संहिता का पालन कराने के लिए पुलिस थानावार अलग - अलग सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं।

चुनाव प्रचार थमते ही देर रात्रि तक पोस्टर, बैनर व झण्डे हटाने की कार्यवाही जारी

ग्वालियर। नगरीय निकाय निर्वाचन का चुनाव प्रचार थमते ही नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में देर रात्रि तक अभियान चलाकर चौराहों एवं सार्वजनिक क्षेत्रों से पोस्टर, बैनर व झण्डे हटाने की कार्यवाही की गई।

निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देशानुसार मदाखलत अधिकारी श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान एवं सत्येन्द्र सिंह भदौरिया के निर्देशन में पूरे शहर में अलग-अलग दल बनाकर संपत्ति विरूपण के तहत कार्यवाही की गई। जिसमें फूलबाग चौराहा, पडाव, हजीरा, गोले का मंदिर, मुरार बारादरी, ठाठीपुर, दीनदयाल नगर, महाराज बाडा, कंपू, बहोडापुर, सभी वार्डों आदि विभिन्न जगहों से होर्डिंग, बैनर, पेम्पलेट आदि हटाने की कार्यवाही देर रात्रि जारी रही।

भाजपा से 57 साल का हिसाब दीजिए निगम से भाजपा को विदा कीजिएः कांग्रेस

ग्वालियर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष अशोक सिंह, श्रीमती शोभा सतीष सिकरवार, पूर्व मंत्री विधायक लाखन सिंह यादव, पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव, बालेंदु शुक्ला, पूर्व सांसद रामसेवक सिंह बाबूजी, विधायक प्रवीण पाठक, विधायक डॉ. सतीष सिकरवार, प्रदेष महासचिव सुनील शर्मा, पूर्व अध्यक्ष चन्द्रमोहन नागोरी, निगम में पूर्व नेताप्रतिपक्ष शम्मी शर्मा, कृष्णराव दीक्षित ने 66 वार्डों में जगह-जगह वार्ड प्रत्याषियों के साथ-साथ घर घर द्वार द्वार पहुचंकर कहा कि निगम में भाजपा से 57 साल का हिसाब लीजिए, ग्वालियर को बदहाल सिटी बनाने वाली भाजपा को विदा कीजिए। 57 सालों में भाजपा ने गंदगी के ढेर, अंधकार, टूटी सड़कें, गंदा पानी, खुले गटर, अवारा पषुओं का जमावड़ा, पार्कों की दुर्दषा, राष्ट्रीय नेताओं की प्रतिमा की अनदेखी, सम्पति कर में लूट खसोट, शासकीय महापौर निवास से शराब की बिक्री, पानी टंकीयों के निर्माण में आर्थिक भ्रष्टाचार, रोप वे निर्माण वाधा, चंबल से पानी लाने मे असफल, स्वर्ण रेखा नाले मे स्वच्छ पानी का बहाव पूरा करने में असफल, स्मार्ट सिटी के द्वारा विनाष करते हुए ग्वालियर को विकास से वंचित रखा है, 6 जुलाई को स्वर्ण अवसर आया है एक-एक वोट विकास में कांग्रेस के साथ में आईये ग्वालियर का हर नागरिक कांग्रेस के साथ मिलकर महापौर प्रत्याषि श्रीमती शोभा सतीष सिकरवार को भारी बहुमत से विजय बनाएं।

सिंधिया-तोमर ने रोड शो कर मेयर व पार्षद प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे

ग्वालियर । चुनाव प्रचार समाप्त होने से पूर्व आज केंद्रीय मंत्रीद्वय नरेंद्र सिंह तोमर एवं ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित भाजपा प्रत्याशी सुमन शर्मा एवं भाजपा नेताओं का कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न स्थानीय सामाजिक व नागरिक संगठनों ने रोड शो के दौरान फूलमालाओं से एवं पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। आज रोड शो के दौरान भारी जनसमूह रथ के पीछे चल रहा था, भाजपा जिन्दाबाद, ग्वालियर का महापौर कैसा हो, सुमन षर्मा जैसे नारों के बीच विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, व्यापारी संस्थाओं एवं सर्व समाज द्वारा भाजपा नेताओं पर पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया गया। जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने आतिषबाजी भी चलाई इंदरगंज से रोड शो प्रारंभ होने पर रथ पर केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर, श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, महापौर

प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा, सांसद विवेक शेजलकर, पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा, पूर्व मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, चुनाव प्रभारी विजय दुबे, प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेन्द्र पाराशर, पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल, जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी सवार थे। इस अवसर पर भाजपा के लगभग सभी स्थानीय वरिष्ठ नेता एवं मंत्रीगण साथ थे। अपार जनसमूह ने सुमन शर्मा को भारी मतों से जिताने का संकल्प लिया। रोड शो के दौरान कार्यकर्ताओं एवं आमजनों में भारी उत्साह देखने को मिला। पूरे रास्ते पुष्पवर्षा एवं भाजपा नेताओं का जगह एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर एवं श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ग्वालियर पूर्व एवं ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में भाजपा महापौर प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा एवं भाजपा पार्षद प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया। जैसे ही भाजपा के वरिष्ठ नेता इंदरगंज चैराहे पर पहुंचे, कार्यकर्ताओं एवं आमजनों ने पुष्प वर्षा कर भाजपा नेताओं का स्वागत किया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। इंदरगंज चैराहे पर सावरकर मंडल के अध्यक्ष जयंत शर्मा एवं वार्ड क्रमांक 45, 56, 57, 58 एवं 59 के पार्षद प्रत्याशियों ने भी मंच बनाकर स्वागत किया।

संक्षिप्त समाचार

निर्वाचन प्रेक्षक श्री बी एम शर्मा रखेंगे चुनाव पर निगरानी

जीवाजी विश्वविद्यालय के विश्रामगृह में की जा सकती हैं भेंट

ग्वालियर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा ग्वालियर जिले में नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2022 की प्रक्रिया पर निगरानी रखने के लिये भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी श्री बी एम शर्मा को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। श्री शर्मा यहाँ जीवाजी विश्वविद्यालय के विश्रामगृह के कक्ष क्रमांक-3 में ठहरे हैं। यहाँ पर उनसे नगरीय निकाय निर्वाचन से संबंधित समस्या के संबंध में कोई भी व्यक्ति, प्रत्याशी या उनके अभिकर्ता भेंट कर सकते हैं। प्रेक्षक श्री शर्मा का मोबाइल फोन नम्बर 9406915780 है। प्रेक्षक श्री शर्मा के लाइजनिंग अधिकारी का दायित्व नगर निगम के अधिकारी श्री पवन सिंघल (मोबा. 9644405830 व 9406915830) को सौंपा गया है।

सीवर सेप्टिक टैंक की जार्डस सफाई की रोकथाम को लेकर सेमिनार आयोजित

ग्वालियर। नेशनल सफाई कर्मचरियो फाइनेंस एंड डब्लपमेंट कॉर्पोरेशन एवं फर्नीचर एंड फिटिंग्स स्किल कॉउन्सिल के द्वारा सीवर सेप्टिक टैंक की जार्डस सफाई की रोकथाम के विषय पर सेमिनार का आयोजन ग्वालियर के नगर निगम मुख्यालय में आयोजित किया गया। परियोजना नोडल अधिकारी श्री शिशिर श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देशन में केंद्र सरकार की और से टैकनीकल एजुकेशन सीईओ श्री रमेश देसाई ने नगर निगम ग्वालियर के सफाई कर्मचारियों को नए नियमो की जानकारी दी गयी। जिसमे सफाईकर्मियों को केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी ताकि वे अपने आप को सुरक्षित रख कर अपने काम को अंजाम दे सकें। इस दौरानश्री श्री बी.के. गुप्ता, अधीक्षण यंत्री सीवर श्री राजेश शर्मा मौजूद रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध के लिये टास्क फोर्स का गठन

ग्वालियर। सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादन, भण्डारण, परिवहन, क्रय-विक्रय एवं उपयोग पर प्रतिबंध होने पर निर्माता, स्टॉकिस्ट, रिटेलर तथा विक्रेताओं पर छापामार कार्यवाही हेतु निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल के आदेशानुसार टास्क फोर्स का गठन किया है। निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल के आदेशानुसार सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रतिबंध को प्रभावशील बनाने हेतु निगम का टास्क फोर्स का गठन किया है। विभिन्न जगहों निर्माता, स्टॉकिस्ट, रिटेलर तथा विक्रेताओं पर छापामार कार्यवाही कर सिंगल यूज प्लास्टिक को जप्त कर जुर्माने की कार्यवाही करेगें। जिसमें समस्त कार्यवाही हेतु नोडल अधिकारी अपर आयुक्त श्री अतेन्द्र गुर्जर रहेगें। उनके साथ में क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी ग्वालियर श्री एचएस मालविय, नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव चौहान एवं संबंधित विधानसभा के मदाखलत अधिकारी, नोडल अधिकारी विधि श्री अनुप लिटोरिया, स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम श्री वैभव श्रीवास्तव, श्री भीष्म पमनानी, श्री कृष्ण शर्मा एवं संबंधित विधानसभा के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, प्रभारी सहायक यंत्री श्री महेन्द्र प्रसाद अग्रवाल एवं एसबीएम सैल होर्डिंग शाखा के श्री संदीप शर्मा को टास्क फोर्स में रखा गया है। सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंधि है वह प्लास्टिक स्टिप वाले ईयर वड, बैलून में उपयोग होने वाले प्लास्टिक स्टिक, प्लास्टिक झण्डे, कैण्डी स्टिक, आईस्क्रीम स्टिक, सजावट में उपयोग होने वाले थर्माकोल, प्लेट्स, कप, गिलास, फार्क, चम्मच, चाकू, स्ट्रा, ट्रे, स्वीट्स बाक्स, निमंत्रण पत्र, सिगरेट पैकिट की कवर करने वाली पैकिंग फिल्म, प्लास्टिक स्टीकर्स एवं 100 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक व पी.वी.सी. के बैनर।

कांग्रेस में शामिल हुए बलवीर तौमर को निष्काषित करना भाजपा की अनुभवहीनता

सिंधिया समर्थक सालूंके और यादव को निष्काषित करके भाजपा ने सिंधिया को आईना दिखाया

कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राजकुमार शर्मा द्वारा कांग्रेस में शमिल हुए बलवीर तौमर को भाजपा द्वारा निष्काषित करने पर कहा कि बलवीर तौमर को निष्काषित करना भाजपा की अनुभवहीनता का परिचायक है जब तौमर भाजपा छोड़ चुके है कांग्रेस में शामिल हो चुके हे तो तौमर को निष्काषित करना हास्यप्रद है वहीं दूसरी और सिंधिया समर्थक विष्वनाथ सालूंके, पंजांब सिंह यादव को निष्काषित करके भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को आइना दिखा दिया है, जिस जोष के साथ कांग्रेस छोड़कर सिंधिया के साथ भाजपा में गए थे धीरे-धीरे भाजपा सिंधिया समर्थको को न जहां का रखेगी न वहां का रखेगी।

आत्मीय जनआशीर्वाद देकर मुझे विजयी बनाएः मनोज तोमर

वार्ड 55 से भाजपा प्रत्याशी के जनसंपर्क के दौरान स्वागत के लिए उमड़ा अपार जनसमूह

ग्वालियर। वार्ड 55 से भाजपा के पार्षद प्रत्याशी मनेज तोमर को रविवार को जनसंपर्क के दौरान क्षेत्रवासियों का भारी जनसमर्थन मिला। मनोज तोमर जिन गलियों में जनसंपर्क के लिए पहुंचे, वहाँ उनके आत्मीय स्वागत, वंदन, अभिनन्दन के लिए अपार जनसमूह उमड़ पड़ा। स्थानीय मतदाताओं, क्षेत्रीय नागरिकों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनोज तोमर को पुष्पहार से लाद दिया। जमकर आतिशबाजी चलाई गई। इन हर गलियों का माहौल भाजपामय हो गया। हर तरफ भाजपा के झण्डे फहरा रहे थे। इस अवसर पर नरेंद्र मोदी, जेपी नड्डा, शिवराज सिंह एवं मनोज तोमर जिंदाबाद के नारे गूंज रहे थे। यह नजारा था अवाड़पुरा क्षेत्र का। श्री तोमर ने मतदाताओं से निवेदन किया कि उन्हें अपना आत्मीय जनआशीर्वाद दें व उन्हें विजयी बनाएं।

आज निकलेगी बाइक रैली

सोमवार को वार्ड 55 के भाजपा से पार्षद प्रत्याशी मनोज तोमर के समर्थन में आमखों कार्यालय से सुबह 11 बजे विशाल बाइक रैली निकाली जाएगी।

व्यापारियों का भारतीय जनता पार्टी ने कारोबार चौपट कर दिया डॉ. शोभा सिकरवार

महापौर प्रत्याशी ने जनसंपर्क कर बैठके ली

ग्वालियर। कांग्रेश की महापौर पद की उम्मीदवार डॉ. श्रीमती शोभा सिकरवार ने कहा है कि भाजपा आम जनता पर करो का भोज लाद दिया है। और जीएसटी लगाकर व्यापारियों का कारोबार चौपट करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने ना तो कर्मचारियों का भला किया है, और ना ही शहर का विकास किया है झूठ बोलने वाली भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा लोगों को छला है। मैं आपकी बेटी हूं बहूं हूं आप ग्वालियर के चहूमुखी विकास के लिए मुझे एवं कांग्रेसी पार्षद प्रत्याशियों को विजयश्री दिलाने के लिए आशीर्वाद दें।

कांग्रेश महापौर पद की उम्मीदवार डॉ. शोभा सिकरवार ने आज वार्ड 24 में जनसंपर्क कर मतदाताओं से चर्चा करते हुए कहा कि शहर के विकास व प्रगति के लिए कांग्रेस को वोट दें। हम विश्वास दिलाते हैं कि जन भावनाओं के अनुरूप विकास को गति देंगे।

इस दौरान क्षेत्रीय जनता ने पुष्पहार पहनाकर जोरदार स्वागत किया इसके अलावा अनेक स्थानों पर बैठकों में शामिल हुई इसके अलावा विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने अनेक वार्डों में जगह जगह बैठके ली उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आव्हान किया कि वह अपने-अपने मतदान केंद्रों पर मजबूती के साथ डटे रहे जब तक ईवीएम मशीन स्ट्रांग रूम में ना पहुंच जाएं तब तक पोलिंग पार्टी के साथ रहे।

शहर की विभिन्न सडकों व पोलिंग बूथों पर किया सडक संधारण का कार्य

ग्वालियर। शहर के मुख्य मार्गों व पोलिंग बूथों के मार्ग को दुरुस्त करने के लिए नगर निगम ग्वालियर द्वारा सडक संधारण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी के तहत आज शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न सड़कों पर सडक संधारण का कार्य किया गया।

सहायक यंत्री पेच रिपेयरिंग शाखा श्री रोहित तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि शहर के नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात तथा निर्वाचन को देखते हुए पोलिंग बूथो पर व शहर के मुख्य सड़कों के गड्ढों को तेजी से भरने के लिए सडक संधारण का काम तेजी से किया जाए। निगमायुक्त श्री कन्याल

के निर्देश के क्रम में आज सोमवार को इन्द्रा नगर पोलिंग बूथ पर, दर्जी ओली मैन रोड पर, छत्री मण्डी परिसर पोलिंग बूथ पर, द्वारकापुरी पंचायत भवन पोलिंग बूथ पर, ग्वालियर विकास प्राधीकरण पोलिंग बूथ पर, द्वारिकापुरी पोलिंग बूथ पर, बीएड कॉलेज पोलिंग बूथ तानसने नगर, गांधीनगर ए ब्लॉक रामलला स्कूल पोलिंग बूथ पर, ढोलीबुआ वर्कशॉप कार्यालय पोलिंग बूथ के सामने, आदित्याज होटल के पीछे वाली रोड पर, वार्ड क्रमांक 58 झांसी थाना के पास, आदर्श विज्ञान महाविद्यालय के परिसर में, तानसेन मोड पर झलबाई के सामने मैन रोड पर, सिंधया नगर में गड्ढों को भरा गया व शहर के अन्य क्षेत्रों में सडक संधारण का कार्य किया गया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478